दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित >>> दिल्ली >>> गाजियाबाद >>> नोएडा >>> ग्रेटर नोएडा >>> हापुड़ >>> अमरोहा >>> बागपत >>> मेरठ >>> मुजफ्फर नगर >>> बिजनौर >>> मुरादाबाद >>> बुलंदशहर >>> अलीगढ़ >>> फरीदाबाद >>> गुड़गांव >>> सोनीपत RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 31 डिग्री
न्युनतम तापमान 27 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 30 डिग्री
न्युनतम तापमान 27 डिग्री

गुरुवार 19 जून 2025
सुर्योदय प्रात: 05:24 बजे
सूर्यास्त सांय 19 : 22 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 भारत में बढ़ती कर्मचारियों की मानसिक समस्याएं

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 244 | गाजियाबाद, गुरुवार 19 जून 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

टोल में राहत: अब 3 हजार का वार्षिक फास्टैग पास होगा जारी: गडकरी

15 अगस्त से देश के वाहन स्वामियों के लिए उपलब्ध होगा पास

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

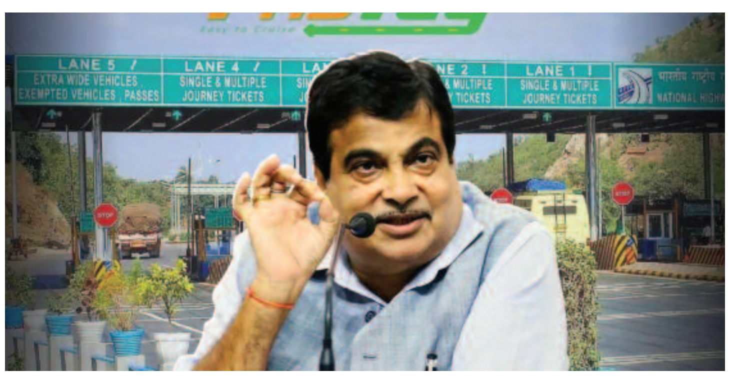

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने टोल प्लाजाओं पर बढते विवादों तथा भीड को कम करने और निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निजी वाहनों के लिए तीन हजार रूपये का फास्टैग आधारित वार्षिक पास शुरू करने का निर्णय लिया है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को खुद यह जानकारी दी। यह पास 15 अगश्त से उपलब्ध रहेगा और सक्रिय होने की तिथि से एक वर्ष तक या 200 यात्राओं तक जो भी पहले हो वैध रहेगा।

श्री गडकरी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, "एक ऐतिहासिक पहल के तहत 15 अगश्त 2025 से 3,000 रूपये की कीमत वाला फास्टैग आधारित वार्षिक पास शुरू किया जा है। यह पास सक्रिय होने की तिथि से एक वर्ष तक या 200 यात्राओं तक,जो भी पहले हो,वैध रहेगा। यह पास केवल गैर-व्यावसायिक निजी वाहनों (कार, जीप, वैन आदि) के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है और यह देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्बाध यात्रा को संभव बनाएगा।"

उन्होंने कहा कि पास के नवीनीकरण की प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाने के लिए जल्द ही राजमार्ग यात्रा ऐप और राष्ट्रीय राजमार्ग की वेबसाइट पर इसके लिए एक अलग लिंक उपलब्ध कराया जाएगा।

श्री गडकरी ने कहा कि यह नीति 60 किलोमीटर के दायरे में स्थित टोल प्लाज़ाओं को लेकर लंबे समय से चली आ रही चिंताओं का समाधान करेगी और एक ही सुलभ लेनदेन के माध्यम से टोल भुगतान को सहज बनाएगी। उन्होंने कहा कि वार्षिक पास नीति प्रतीक्षा समय घटाकर, भीड़ कम कर और टोल प्लाज़ाओं पर विवाद को समाप्त कर, लाखों निजी वाहन चालकों के लिए तेज़, सुगम और बेहतर यात्रा अनुभव के लिए बनायी गयी है।

योग संगम पर पंजीकरण संख्या चार लाख के पार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के प्रमुख कार्यक्रम योग संगम के लिए संगठनों का पंजीकरण रिकार्ड चार लाख के आंकड़े को पार कर गया है।

केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने बुधवार को यहां बताया कि देश भर में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर लाखों जगहों पर एक साथ योग प्रदर्शन होगा। सुबह साढे छह बजे से पौने आठ बजे तक आयोजित होने वाला योग संगम अब तक का सबसे बड़ा सामूहिक योग कार्यक्रम होगा। इसमें लाखों संस्थान, संगठन और समुदाय एक साथ हिस्सा लेंगे।

योग संगम कार्यक्रम में भाग लेने के लिए योग संगम पोर्टल पर राजस्थान में सबसे अधिक 1,38,033 संगठनों ने पंजीकरण कराया है। इसके बाद आंध्र प्रदेश में 1,38,033 और उत्तर प्रदेश में 1,01,767 संगठनों का पंजीकरण हुआ है।

इसके अलावा मध्य प्रदेश से 26,159, गुजरात से 19,951 और हिमाचल प्रदेश से 12,000 संगठन पंजीकृत किये गये हैं। पंजीकरण कराने वाले संगठनों में शिक्षण संस्थान, उद्योग संगठन तथा गैर सरकारी संगठन शामिल हैं।

इस राष्ट्रव्यापी आयोजन का मुख्य कार्यक्रम आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में होगा, जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव पांच लाख से अधिक योग प्रेमियों के साथ योगाभ्यास करेंगे।

निजी हितों की खातिर आतंक को मूक समर्थन मानवता के साथ विश्वासघात: मोदी

✷ वेबवार्ता. कनानास्किस (कनाडा) ✷

कनानास्किस (कनाडा)/नई दिल्ली, 18 जून (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाये जाने के मुद्दे पर विश्व के ताकतवर देशों को सीधे सीधे चुनौती दी और उनसे दो टूक शब्दों में कहा कि निजी हितों के लिए, आतंकवाद को मूक सम्मति देना, आतंक या आतंकवादियों का साथ देना, पूरी मानवता के साथ विश्वासघात है।

श्री मोदी ने यहां मंगलवार को ऊर्जा सुरक्षा पर जी-7 आउटरीच सत्र के दौरान अपने संबोधन में आतंकवाद के मुद्दे पर वैश्विक शक्तियों से सीधे एवं कठोर सवाल पूछे। श्री मोदी ने कहा, ''एक गंभीर विषय की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं- वह है आतंकवाद। आतंकवाद पर दोहरे मापदंडों का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। हाल ही में भारत को एक क्रूर और कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले का सामना करना पड़ा। बाइस अप्रैल को हुआ आतंकवादी हमला केवल पहलगाम पर ही नहीं, बल्कि हर भारतीय की आत्मा, अस्मिता और गरिमा पर भी सीधा आघात था। यह पूरी मानवता पर आघात था। आप सभी मित्रों ने जिन कड़े शब्दों में इसकी निंदा की, संवेदनायें व्यक्त की, उसके लिए आपका आभार व्यक्त करता हूं।"

प्रधानमंत्री ने कहा, "आतंकवाद मानवता का दुश्मन है। लोकतान्त्रिक मूल्यों में विश्वास रखने वाले सभी देशों का विरोधी है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुटता अनिवार्य है। भारत के पड़ोस में तो आतंकवाद का ब्रीडिंग ग्राउन्ड है! वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए, हमारी सोच और नीति स्पष्ट होनी चाहिए- यदि कोई भी देश आतंकवाद का समर्थन करता है, तो उसे इसकी कीमत चुकानी होगी।

लेकिन दुर्भाग्यवश, वास्तविकता इसके उलट है। एक तरफ तो हम अपनी पसंद-नापसंद के आधार पर, भांति-भांति के प्रतिबंध लगाने में देर नहीं करते। दूसरी ओर, जो देश खुले आम आतंकवाद का समर्थन करते हैं, उन्हें पुरस्कृत करते हैं। इस कमरे में जो बैठे हैं, उनसे मेरे कुछ गंभीर सवाल हैं।"श्री मोदी ने पूछा, ''क्या हम आतंकवाद को लेकर गंभीर हैं भी या नहीं? क्या हमें आतंकवाद का मतलब

हैदराबाद हवाई अड्डे को बम की झूठी धमकी मिली

✷ वेबवार्ता. हैदराबाद ✷। हैदराबाद के बेगमपेट हवाई अड्डे को बुधवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली जो जांच में फर्जी निकली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार हवाई अड्डा अधिकारियों को बुधवार सुबह ईमेल के जरिए बम की धमकी दी गई। इसके बाद हवाई अड्डे पर पुलिस व बम निरोधक दश्ते की मदद से सघन जांच की गई। एहतियात के तौर पर वहां दमकलकर्मी भी तैनात कर दिए गए। लेकिन जांच के बाद वहां कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

नाबालिग लड़की को सुरक्षा दें बिहार, दिल्ली पुलिस : सुप्रीम कोर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बिहार पुलिस महानिदेशक और दिल्ली पुलिस आयुक्त को एक नाबालिग लड़की को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया। लड़की ने अपनी शादी रद्द करने और अपनी और अपने दोश्त की सुरक्षा की मांग की है। न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने कहा कि लड़की और उसके दोश्त को अपनी जान को खतरा है और अधिकारी उनसे संपर्क करके आवश्यक सहायता प्रदान करें। दोश्त के साथ फरार लड़की ने दावा किया कि नौ दिसंबर, 2024 को साढ़े 16 साल की उम्र में जबरन उसकी शादी कर दी गई और अब पति और ससुराल वाले उसे इस विवाह को निभाने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

विमान हादसे पर सिंगापुर एयरलाइन की चुप्पी पर सवाल उठाए

✷ वेबवार्ता. मुंबई ✷। पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री व वरिष्ठ एनसीपी नेता प्रफुल पटेल ने बुधवार को अहमदाबाद विमान हादसे पर सिंगापुर एयरलाइन की चुप्पी पर सवाल खड़े किए। टाटा समूह द्वारा संचालित एयर इंडिया में सिंगापुर एयरलाइन भी 25.1 प्रतिशत की साझेदार है। पटेल ने 'एक्स पोस्ट पर निराशा जताते हुए हादसे पर सिंगापुर एयरलाइन की चुप्पी को आश्चर्यजनक बताया। उन्होंने कहा कि हादसे पर एयरलाइन की आश्चर्यजनक चुप्पी या शायद अज्ञानता हैरान करने वाली है। एयरलाइन ने व्यक्त की संवेदना पटेल की टिप्पणी के बीच बुधवार को एअर इंडिया विमान दुर्घटना के लगभग एक सप्ताह बाद सिंगापुर एयरलाइंस ने एक बयान जारी कर कहा कि वह टाटा संस के साथ संपर्क में है और इस मुश्किल दौर में उनकी तरफ से हर आवश्यक सहायता की पेशकश की जारी है। एयरलाइन ने हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना भी व्यक्त की है।

सीटीईटी परीक्षा देने वाली फर्जी महिला को जमानत नहीं

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक महिला की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। महिला पर अपनी बहन के बदले केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी) में बैठने का प्रयास करने का आरोप है। न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की पीठ ने अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा कि इस मामले में उससे (आरोपी से) हिरासत में पूछताछ की जरूरत होगी। पीठ ने उसे प्रभावी जांच के लिए पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने को कहा। पुलिस ने बताया कि बिहार के दरभंगा जिले के बहादुरपुर गांव की रहने वाली कुमारी शारदा को अपनी बड़ी बहन की जगह सीटीईटी में बैठने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि आरोपी का बायोमेट्रिक और आधार विवरण वाश्तविक परीक्षार्थी से मेल नहीं खाता। अभियोजन पक्ष ने कहा कि शारदा ने कथित तौर पर परीक्षा केंद्र पर अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। यह है सीटीईटी परीक्षा सीटीईटी एक राष्ट्रीय श्तर की परीक्षा है, जो सीबीएसई द्वारा वर्ष में दो बार आयोजित की जाती है, जिसका उद्देश्य केवीएस (केंद्रीय विद्यालय संगठन) और एनवीएस (नवोदय विद्यालय समिति) जैसे केंद्र सरकार के स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति करना है।

सेना प्रमुख और पूर्व सेना प्रमुखों ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

ऑपरेशन सिंदूर की बारिकीयों पर सैन्य नेतृत्व के साथ गहन विचार विमर्श के एक दिन बाद सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी के साथ कई पूर्व सेना प्रमुखों ने बुधवार को तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ मुलाकात की।

राष्ट्रपति से मिलने वालों में जनरल वी पी मलिक, जनरल एन सी विज, जनरल जे जे सिंह , जनरल दीपक कपूर, जनरल बिक्रम सिंह और जनरल मनोज पांडे शामिल हैं। पूर्व सेना प्रमुखों ने मंगलवार को सेना द्वारा आयोजित 'चीफ्स चिंतन' सम्मेलन में ऑपरेशन सिंदूर के बाद भविष्य की चुनौतियों तथा आकस्मिक स्थितियों से और बेहतर ढंग से निपटने की तैयारियों में जुटे सैन्य नेतृत्व के साथ इस ऑपरेशन के बारे में विश्तार से चर्चा की थी। पूर्व सेना प्रमुखों ने अपने अनुभव साझा करते हुए सैन्य नेतृत्व के साथ कुछ सिफारिशें और सलाह भी साझा की थी।

एयर इंडिया की बुधवार को भी कई उड़ान प्रभावित

दिल्ली में खराब मौसम के चलते भी प्रभावित हुई उड़ानें

✷ वेबवार्ता. मुंबई/नई दिल्ली ✷

परिचालन संबंधी दिक्कतों व मौसम के चलते बुधवार को भी एयर इंडिया की कुछ उड़ानें प्रभावित हुईं। वहीं दिल्ली में मंगलवार को बिगड़े मौसम से भी 400 उड़ानों में देरी हुई जबकि 14 को स्थानांतरित करना पड़ा। एयर इंडिया की लखनऊ से मुंबई जाने वाली उड़ान मंगलवार रात परिचालन संबंधी कारणों से रद्द करनी पड़ी।

एयर इंडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। एयरलाइन प्रवक्ता के अनुसार 17 जून को निर्धारित उड़ान को परिचालन संबंधी दिक्कतों कारण रद्द किया गया।

उन्होंने कहा कि यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक इंतजाम किए जा रहे हैं। एयरलाइन ने कहा कि दिल्ली में भारी बारिश के चलते कई उड़ानों के मार्ग बदले जाने के चलते भी इसे रद्द करने का निर्णय लिया गया।

मौसम की वजह से देरी से पहुंच रही उड़ानों के कारण चालक दल की ड्यूटी अवधि सीमा समाप्त हो चुकी थी और उनके स्थान पर तत्काल दूसरे चालक दल की व्यवस्था करना संभव नहीं हो सका। एयरलाइन ने प्रभावित यात्रियों को होटल में रुकवाने की सुविधा के साथ ही यात्रा निरश्त करने पर पूर्ण धनराशि वापस करने या वैकल्पिक उड़ान उपलब्ध कराने की पेशकश की।

पुलिस भर्ती रूटीन कार्य, यूपी सरकार नए काम की तरह कर रही इसका प्रचार : मायावती

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने योगी सरकार में हाल ही हुई कांस्टेबल भर्ती पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह एक रूटीन कार्य था। इसमें कुछ नया नहीं था लेकिन सरकार की ओर से इसका जोरदार प्रचार किया गया।

मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने लिखा, "यूपी में अभी हाल ही में हुई सिपाही भर्ती को लेकर ऐसा प्रचारित किया गया जैसे यह कोई नई बात हो, जबकि पुलिस में ऐसी भर्ती रूटीन कार्य है, ताकि बैकलॉग की बुराई पुलिस विभाग में भी न आए। लेकिन, इस भर्ती में सर्वसमाज को सही हक मिला या नहीं व उनकी ट्रेनिंग का क्या? यही आम चिंता है।

दूसरे पोस्ट में पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने कार्यकाल में भर्ती प्रक्रिया को ईमानदार बताया। उन्होंने लिखा, "बीएसपी की मेरी सरकार में यूपी में 'कानून द्वारा कानून का राज' का न्याय-युक्त माहौल स्थापित करने के लिए एकमुश्त 1.20 लाख नए पद सृजित करके पुलिस भर्ती को ईमानदार बनाया गया, जिस शांति, व्यवस्था का लाभ बिना भेदभाव के समाज के सभी वर्गों के लोगों को मिला, जिसकी अब काफी कमी है।

बता दें कि 15 जून को लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में 60,244 नव चयनित पुलिस कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र बांटे गए। इस दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरी मिली है।

मतदाता सूची के अद्यतन के 15 दिन के अंतर जारी हो जाएगा मतदाता को फोटो पहचान-पत्र : चुनाव आयोग

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

मतदाताओं को फोटो पहचान-पत्र (एपिक) का तेजी से वितरण सुनिश्चित करने के लिए, चुनाव आयोग (ईसीआई) ने नयी मानक प्रचालन प्रक्रिया (एसओपी) प्रारंभ की है। आयोग ने कहा है कि नयी प्रकिया में मतदाता नामावली में किये गये किसी भी अपडेट के 15 दिनों के भीतर संबंधित मतदाता को फोटो पहचान-पत्र का वितरण करना संभव हो सकेगा।

इस कार्ड में मतदाता के नये नामांकन या मौजूदा निर्वाचक के विवरण में किये गये सभी संशोधन या बदलाव शामिल होंगे। विज्ञप्ति में कहा गया है," यह पहल निर्वाचकों की सुविधा के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा किये जा रहे विभिन्न उपायों के अनुरूप है जिनकी परिकल्पना मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधु और निर्वाचन आयुक्त डॉ विवेक जोशी के साथ मिलकर की गयी है। "

आयोग के अनुसार नयी प्रणाली निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) द्वारा एपिक तैयार करने से लेकर डाक विभाग (डीओपी) के माध्यम से निर्वाचक को एपिक के वितरण तक प्रत्येक चरण की तत्क्षण की ट्रैकिंग सुनिश्चित करेगी। निर्वाचकों को प्रत्येक चरण में एसएमएस के माध्यम से सूचनायें भी प्राप्त होंगी, जिससे उन्हें अपने एपिक की स्थिति के बारे में जानकारी मिलती रहेगी।

इसके लिए, आयोग ने अपने हाल ही में प्रशतुत किये गये ईसीआई-नेट प्लेटफ़ॉर्म पर एक विशेष आईटी मॉड्यूल पेश किया है। निर्बाध वितरण सुनिश्चित करने के लिए डाक विभाग के एप्लिकेशन प्रोग्राम इंटरफ़ेस (एपीआई) को ईसीआई-नेट के साथ एकीकृत किया जायेगा।

यह स्मरणीय है कि पिछले चार महीनों में, आयोग ने निर्वाचकों और अन्य हितधारकों के लाभ के लिए अनेक पहल की हैं।

बाढ़ से नुकसान की भरपाई के लिए हिमाचल प्रदेश को दो हजार करोड़ रुपए

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वर्ष 2023 में हिमाचल प्रदेश में बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने की घटनाओं में हुए नुकसान की भरपाई के लिए 2006.40 करोड़ रुपये की सहायता राशि मंजूर की है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में एक उच्च श्तरीय समिति ने बुधवार को यह मंजूरी दी। वित्त मंत्री, कृषि मंत्री और नीति आयोग के उपाध्यक्ष की सदस्यता वाली समिति ने राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि (एनडीआरएफ) के तहत रिकवरी और पुनर्निर्माण योजना से राज्य को वित्तीय सहायता के प्रश्ताव पर विचार किया। इससे राज्य को वर्ष 2023 के दौरान बाढ़, बादल फटने और भूस्खलन के कारण होने वाली क्षति और विनाश के कारण रिकवरी और पुनर्निर्माण गतिविधियों में मदद मिलेगी।

विमान हादसा : हादसे में 190 मृतकों की पहचान हुई

32 विदेशी नागरिकों सहित 159 के शव परिजनों को सौंपे

✷ वेबवार्ता. अहमदाबाद ✷

अहमदाबाद विमान हादसे में अब तक डीएनए जांच से 190 मृतकों की पहचान कर ली गई है। वहीं 32 विदेशी नागरिकों सहित 159 शव परिजनों को सौंपे जा चुके हैं।

अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अहमदाबाद जिला अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ.राकेश जोशी ने बताया कि बुधवार तक 190 डीएनए नमूनों का मिलान कर लिया गया है। साथ ही 159 शव परिजनों को सौंपे जा चुके हैं जिनमें 127 भारतीय नगारिक सहित 4 पुर्तगाल, 27 ब्रिटिश व 1 कनाडाई नागरिक शामिल है। डॉ. जोशी ने बताया कि हादसे के बाद 71 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनमें से 3 की मृत्यु हो गई थी। अब केवल 7 घायल ही उपचाराधीन हैं। वहीं 12 अन्य घायलों का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

एकमात्र जीवित यात्री भाई का अंतिम संस्कार हुआ

✷ वेबवार्ता. अहमदाबाद ✷

पिछले सप्ताह भीषण विमान हादसे के बाद जीवित बचे एकमात्र यात्री को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद वह हादसे में मारे गए अपने भाई के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार 40 वर्षीय ब्रिटिश कारोबारी विश्वास को मंगलवार शाम को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। वहीं डीएनए मिलान के बाद बुधवार सुबह उनके भाई अजय का शव परिजनों को सौंप दिया गया।

अहमदाबाद जिला अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ.राकेश जोशी ने बताया कि विश्वास का परिवार पहले ही यूके से वहां पहुंच चुका है।

कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप व नकदी चोरी

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद । इंदिरापुरम थानाक्षेत्र में बदमाशों ने कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप समेत बैग चोरी कर लिया, जिसमें नकदी व अन्य सामान भी रखा था। वसुंधरा सेक्टर 12 निवासी मनीष कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 16 जून को वैशाली सेक्टर छह की मंडे मार्केट में गए थे। रात करीब साढ़े आठ बजे उन्होंने गुरुदारा वाली रोड पर कार खड़ी की थी। खरीददारी के बाद लौटे तो कार का एक शीशा टूटा मिला और अंदर रखा बैग गायब था। इसमें लैपटॉप के अलावा 34 हजार रुपये, चार्जर, इयरफोन, कैल्क्युलेटर समेत कई दश्तावेज भी रखे थे। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस फुटेज से चोरों की पहचान के प्रयास कर रही है।

धोखाधड़ी कर पौने पांच करोड़ रुपये हड़पने पर केस

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद । साहिबाबाद थानाक्षेत्र में एक व्यक्ति ने कई लोगों से 5.70 करोड़ रुपये ठग लिए। आरोपी ने सामान मंगाकर भुगतान नहीं किया। पीड़ितों की शिकायत पर मंगलवार को आरोपी और उसकी पत्नी समेत छह लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। साहिबाबाद में डीएलएफ निवासी शशिकांत शर्मा की जेएमडी कम्युनिकेशंस के नाम से दुकान थी, जिसमें वह मोबाइल और स्मार्ट टीवी समेत बिजली के उपकरण बेचता था। सीओ साहिबाबाद श्वेता यादव ने बताया कि शशिकांत, उसकी पत्नी मीनाक्षी शर्मा, सहयोगी गोपाल गुप्ता, नितिन, रवि और अनुज के खिलाफ ट्रेडिंग कारोबारी अजय समेत कई लोगों ने शिकायत दी थी। वह कई साल से शशिकांत को मोबाइल और टीवी की सप्लाई कर रहे थे। साल 2021 से जनवरी 2025 तक शशिकांत ने लिए सामान का आंशिक भुगतान किया। जनवरी के बाद भी उसने सामान लिया, लेकिन भुगतान नहीं दिया। दो जून को ट्रेडर उसकी दुकान पर पहुंचे तो वहां ताला लटका था।

मेडिकल स्टोर के ताले तोड़कर चोरी

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद । खोड़ा थानाक्षेत्र में मेडिकल स्टोर का ताला तोड़कर चोरों ने 60 हजार रुपये चुरा लिए। शक्तिखंड तीन में रहने वाले अनिल तिवारी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि खोड़ा के इंदिरा विहार में उनका मेडिकल स्टोर है। 15 जून की सुबह वह मेडिकल स्टोर पर पहुंचे तो ताला टूटा मिला। अंदर गल्ले में रखे 60 हजार रुपये गायब थे। सीसीटीवी कैमरे चेक किए तो तड़के चार बजे मेडिकल स्टोर के आसपास कुछ संदिग्ध युवक दिख रहे हैं। आशंका है कि इसी समय चोरी की गई है। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

दुकानदार और उसकी पत्नी से मारपीट, केस दर्ज

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद । मधुबन बापूधाम थानाक्षेत्र में दुकानदार और उसकी पत्नी पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया गया। घटना को पड़ोस में रहने वाले लोगों ने अंजाम दिया। पुलिस का कहना है कि चार नामजद तथा दो अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही है। संजयनगर सेक्टर-23 के जागृति विहार में रहने वाले जितेंद्र कुमार उर्फ चीकू का कहना है कि जागृति विहार में ही जयश्रकी बालाजी प्रोविजन स्टोर के नाम से उनकी दुकान है। 16 जून की शाम करीब साढ़े छह बजे वह पत्नी मधुबाला के साथ दुकान पर बैठे थे। आरोप है कि इसी दौरान लीलू, शिवा, जयपाल, जयपाल की पत्नी अनीता तथा दो अज्ञात लोग दुकान पर आए और बिना वजह उनके साथ गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने उनके और उनकी पत्नी के साथ मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। शोर-शराबा होने पर लोग इकट्ठा हुए तो हमलावर धमकी देते हुए चले गए। जितेंद्र कुमार का कहना है कि आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति के हैं। उनसे उन्हें जानमाल के खतरे का अंदेशा है।

मालवाहक वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद । इंदिरापुरम थानाक्षेत्र में मालवाहक वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई। 15 जून की शाम को हुए हादसे में मंगलवार को रिपोर्ट दर्ज की गई है। दिल्ली के घडौली एक्सटेंशन में रहने वाले विभीषण झा साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र साइट चार स्थित फैक्टरी में कार्यरत थे। वह 15 जून की शाम को ड्यूटी से घर लौट रहे थे। कंट्री इन होटल के सामने लिंक रोड पर पीछे से आ रहे मालवाहक वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में विभीषण के सिर में गहरी चोट आई, जिस कारण उनकी मौत हो गई। विभीषण की पत्नी रानी देवी ने थाना इंदिरापुरम में रिपोर्ट दर्ज कराई है। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवाश्तव ने बताया कि केस दर्ज कर लिया है।

राजस्थान में अब नेताओं की नहीं, ब्लॉक और मंडल की सिफारिशों पर चलेगी कांग्रेस

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान में कांग्रेस संगठन ने युवाओं को पार्टी में ज्यादा भागीदारी देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। पार्टी ने आगामी शहरी निकाय और पंचायतीराज चुनावों में 50 प्रतिशत टिकट 50 साल से कम उम्र के युवाओं को देने का फैसला लिया है। यह फैसला कांग्रेस हाईकमान के निर्देश पर लिया गया है, जिसे अब राजस्थान प्रदेश कांग्रेस लागू करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने साफ कर दिया है कि स्थानीय चुनावों में अब युवा चेहरों को आगे लाया जाएगा। यही नहीं, टिकट वितरण का पुराना फार्मूला भी बदला जा रहा है। अब टिकट तय करने में सिर्फ प्रदेश स्तर के वरिष्ठ नेताओं की राय ही अंतिम नहीं होगी, बल्कि जिलाध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष और मंडल अध्यक्षों की सिफारिश को भी प्रमुखता दी जाएगी। कांग्रेस संगठन अब बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक नई राजनीतिक सोच के साथ आगे बढ़ने की योजना पर काम कर रहा है। जिला, ब्लॉक और मंडल स्तर पर सक्रिय कांग्रेस नेताओं को नए और ऊर्जावान चेहरों की पहचान करने का जिम्मा सौंपा गया है, जिन्हें चुनावी राजनीति के लिए तैयार किया जाएगा।

डोटासरा ने कहा, हमने संगठन में युवाओं को प्रतिनिधित्व देने की दिशा में स्पष्ट रणनीति तैयार की है। पार्टी का मानना है कि राजनीति में नई ऊर्जा और सोच लाने के लिए युवाओं को आगे लाना जरूरी है।

राजस्थान में नगरपालिकाओं, नगर परिषदों और नगर निगमों के चुनावों में पार्षदों के साथ अध्यक्ष, सभापति और मेयर के चुनाव होते हैं। वहीं, पंचायतीराज संस्थाओं में जिला प्रमुख, पंचायत समिति सदस्य, प्रधान, सरपंच और वार्ड पंच जैसे पदों के लिए चुनाव होते हैं। सरपंच और

वार्ड पंच के अलावा सभी चुनाव राजनीतिक दलों के सिंबल पर लड़े जाते हैं। ऐसे में 50 प्रतिशत टिकट 50 साल से कम उम्र के युवाओं को देने से पार्षद से लेकर चेयरमैन और प्रमुख तक कई पदों पर युवा नेतृत्व सामने आएगा।

टिकट बंटवारे का नया सिस्टम: अब तक टिकट तय करने की प्रक्रिया में प्रदेश चुनाव समिति के नेता ही अंतिम निर्णय लेते थे। लेकिन अब जिला और ब्लॉक स्तर पर पार्टी पदाधिकारियों की राय को भी महत्वपूर्ण माना जाएगा। इससे स्थानीय कार्यकर्ताओं की भागीदारी बढ़ेगी और ग्रासरूट पर मजबूत संगठन खड़ा किया जा सकेगा। राज्य सरकार ने वन स्टेट-वन इलेक्शन की नीति के तहत निकाय और पंचायत चुनाव एक साथ कराने की घोषणा की है। करीब 7,000 ग्राम पंचायतों का कार्यकाल पूरा हो चुका है और वहां प्रशासक लगाए गए हैं। शहरी निकायों में भी प्रशासक नियुक्त किए जा चुके हैं। संभावना जताई जा रही है कि इस साल के अंत तक निकाय चुनाव कराए जा सकते हैं, जबकि पंचायतीराज चुनाव अगले साल होंगे। हालांकि, इस देरी को लेकर हाईकोर्ट में एक याचिका भी लंबित है।

कुंडली में पति की हत्या का योग; राजा से पहले कहीं और तय हुई थी सोनम की शादी, पंडित जी ने बचा लिया

इंदौर, एजेंसी।
इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड में रोज नए खुलासे हो रहे हैं। अब पता चला है कि सोनम की शादी राजा से पहले कहीं और तय हुई थी लेकिन ज्योतिष ने कुंडली देखकर ऐसा कुछ कहा कि लड़केवालों ने ना कह दी। अब राजा रघुवंशी की हत्याकांड के बाद वह परिवार उन पंडित जी और ऊपरवाले का आभार जता रहे हैं। परिवार के लोगों को कहना है कि अच्छा हुआ कि उन्होंने यह शादी नहीं की और बेटा बच गया। आरोप है कि सोनम ने अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या करा दी।

एक न्यूज चैनल की रिपोर्ट के मुताबिक, अब वह परिवार भी सामने आया है जहां सोनम रघुवंशी की राजा से पहले शादी लगभग तय हो चुकी थी। दोनों परिवारों ने एक दूसरे को पंसद किया, लेकिन बात कुंडली पर जाकर अटक गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि सोनम की कुंडली जब एक ज्योतिष को दिखाई गई तो उन्होंने कहा कि इस लड़की के हाथ पति की हत्या का योग है। यह बात सुनने पर वह परिवार घबरा गया और कुछ बहाने बनाकर उन्होंने

रिश्ते की बात वहीं खत्म कर दी। अब वह परिवार खुश है कि उनके लड़के की जान बच गई।

सोनम मांगलिक है और उसकी शादी मांगलिक योग वाले राजा रघुवंशी से तय हुई थी। दोनों की शादी की बात रघुवंशी समाज की एक पत्रिका से शुरू हुई, जिसमें दोनों परिवारों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। 11 मई को राजा और सोनम की शादी हुई थी। 10 दिन बाद ही दोनों हनीमून पर चले गए थे, जहां 23 मई को राजा की हत्या करके उसे खाई में फेंक दिया गया। 2 जून को उसकी लाश मिली थी। बाद में सोनम को पति की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि उसने अपने कथित प्रेमी राज और उसके तीन दोस्तों के साथ मिलकर दूल्हे की हत्या करा दी।

मेघालय में मारे गए ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या की पूरी प्लानिंग को इंदौर के एक रेस्टोरेंट में अंतिम रूप दिया गया था। रेस्टोरेंट के मालिक ने तस्वीरों को देखकर उन्हें याद आया कि आरोपी अक्सर उनके रेस्टोरेंट में आया करते थे। बताया जा रहा है कि सोनम अक्सर यहां राज के साथ मिलने और वक्त बिताने आया करती थी। आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में बताया है कि 16 मई को राज और अन्य आरोपियों ने यहीं बैठकर पूरी प्लानिंग की थी जबकि सोनम ससुराल से फोन पर जुड़ी हुई थी।

हरियाणा के 3 जिलों में नवंबर से 10 साल पुरानी गाड़ियों को नहीं मिलेगा डीजल, बाइकों के लिए यह नियम

चंडीगढ़/गुरुग्राम एजेंसी।
हरियाणा सरकार ने वायु प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। आगामी 1 नवंबर 2025 से एनसीआर में आने वाले जिलों फरीदाबाद, गुरुग्राम और सोनीपत में 10 साल पुरानी डीजल और 15 साल पुरानी पेट्रोल गाड़ियों को पेट्रोल-डीजल नहीं मिलेगा। राज्य के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में सोमवार को हुई उच्च स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया।

पुराने गाड़ियों की पहचान के लिए सभी पेट्रोल पंपों पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट पहचान वाले कैमरे लगाए जाएंगे। पहले चरण में ये कैमरे 31 अक्टूबर 2025 तक तीनों जिलों में लगाए जाएंगे। प्रदेश के बाकी एनसीआर वाले जिलों में यह योजना 1 अप्रैल 2026 से लागू होगी। वहां यह कैमरे 31 मार्च 2026 तक लगाए जाने हैं। इन कैमरों के जरिए जिन गाड़ियों की उम्र तय सीमा से अधिक होगी, उन्हें पेट्रोल-डीजल नहीं दिया जाएगा।

बिजली-सीएनजी से चलने वाले नए ऑटो ही पंजीकृत होंगे : हरियाणा सरकार ने अपनी कार्ययोजना में यह भी तय किया कि अब से केवल बिजली या सीएनजी से चलने वाले नए ऑटो रिक्शा का ही रजिस्ट्रेशन होगा। 1 नवंबर 2025 से दिल्ली में बीएस-6 मानक के ही हल्के, मध्यम और भारी मालवाहन ही प्रवेश कर सकेंगे।

गौरतलब है कि दिल्ली सरकार ने भी 18 मई को तय सीमा से अधिक पुराने वाहनों को 1 जुलाई से पेट्रोल-डीजल नहीं दिए जाने की बात कही थी। अधिकारियों ने बताया था कि ऐसे वाहनों की पहचान करने के लिए पेट्रोल पंपों पर कैमरे लगाने का काम लगभग पूरा हो गया है। बता दें कि, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने अप्रैल में दिल्ली के अधिकारियों को निर्देश दिया था कि तय सीमा से अधिक पुराने हो चुके सभी वाहनों (10 साल से पुराने डीजल वाहन और 15 साल से अधिक पुराने पेट्रोल वाहन) को एक जुलाई से ईंधन नहीं दिया जाए। आदेश के अनुसार, दिल्ली के सभी ईंधन केंद्रों को 30 जून तक स्वचालित नंबर प्लेट पहचान (एएनपीआर) कैमरे लगाने होंगे। ये प्रणालियां 10 वर्ष (डीजल) या 15 वर्ष (पेट्रोल) से पुराने वाहनों का पता लगाएंगी।

नोएडा में रफ्तार का कहर, निर्माणाधीन अंडरपास में गिरी बाइक, दो लोगों की मौत

नोएडा, एजेंसी।
ग्रेटर नोएडा वेस्ट में सोमवार देर रात तेज रफ्तार स्पोर्ट्स बाइक सेफ्टी रेलिंग को तोड़कर निर्माणाधीन अंडरपास में जा गिरी। हादसे में बाइक सवार युवक-युवती की मौत हो गई। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।

बिसरख कोतवाली पुलिस के मुताबिक 28 वर्षीय अंकुर सिंह पंचशील ग्रीन्स दो सोसाइटी में रहता था। उसकी महिला मित्र 25 वर्षीय कशिश गौर सिटी के 14जी एवेन्यू में रहती थी। दोनों अलग-अलग कंपनी में नौकरी करते थे। दोनों सोमवार की रात करीब 1:30 बजे स्पोर्ट्स बाइक पर सवार होकर चार मूर्ति की तरफ आ रहे थे। तेज रफ्तार बाइक चार मूर्ति गोल चक्कर पर निर्माणाधीन अंडरपास पर लगी लोहे की सेफ्टी रेलिंग को तोड़ते हुए नीचे गिर गई, जिससे दोनों को गंभीर चोटें आईं। बिसरख पुलिस ने दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने उपचार के दौरान दोनों को मृत घोषित कर दिया।

कोतवाली प्रभारी ने बताया कि हादसे की सूचना दोनों के परिजनों को दी गई। हादसे की सूचना पर मंगलवार की शाम दोनों के परिजन अस्पताल पहुंचे। परिजनों की मौजूदगी में पुलिस द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। परिजन इसमें कोई शिकायत करते हैं तो मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई होगी।

बिसरख पुलिस द्वारा हादसे के बारे में जानकारी जुटाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज देखी जा रही है। इससे पता चल सकेगा कि हादसा कैसे हुआ। बाइक की रफ्तार कितनी थी। पुलिस द्वारा पूरे मामले की जांच की जा रही है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस के मुताबिक तेज रफ्तार बाइक लोहे की सेफ्टी रेलिंग को तोड़ते हुए हवा में उछलकर अंडरपास में जा गिरी। हादसे में बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि बाइक की रफ्तार काफी तेज थी। इस कारण यह हादसा हुआ। पुलिस की छानबीन में पता चला है कि अंकुर बाइक पर सवार होकर पहले कशिश को लेने 14 एवेन्यू पहुंचा था। कशिश को लेने के बाद दोनों बाइक पर सवार होकर चार मूर्ति की तरफ आ रहे थे। इसी बीच रास्ते में बाइक ने पहले रेलिंग को तोड़ा और फिर ऊपर जाकर अंडरपास के अंदर जा गिरी। यहां भारी मात्रा में निर्माण सामग्री पड़ी है। ऐसे में आशंका है कि सिर में सरिया लगने या फिर अन्य कोई भारी चीज लगने से की वजह से दोनों की मौत हुई है।

पंजाब में फिर घुसपैठ, तरनतारन में बीएसएफ ने पाकिस्तानी नागरिक को किया गिरफ्तार

जालंधर, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच पंजाब में फिर पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ हुई है। बीएसएफ ने पंजाब के तरनतारन में एक पाकिस्तानी नागरिक को गिरफ्तार किया है। बीएसएफ की 103 बटालियन के जवान भारत-पाक सीमा के नजदीक स्थित गांव कलस के पास गश्त कर रहे थे, तो एक संदिग्ध व्यक्ति भारतीय क्षेत्र में दाखिल होता दिखाई दिया। बीएसएफ की ओर से आत्मसमर्पण करने के लिए चेतावनी दी गई लेकिन वह आगे बढ़ता रहा। इस दौरान बीएसएफ जवानों ने उसे पकड़ लिया। गिरफ्तार किए गए पाकिस्तानी नागरिक की उम्र करीब 28 से 30 साल के बीच बताई जा रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, हिरासत में लेने के बाद बीएसएफ के अलावा अन्य विभिन्न एजेंसियां पाकिस्तानी से पूछताछ कर रही हैं। जानकारी मिली है कि वह पाकिस्तानी किसान है, जो गलती से जीरो लाइन पार करते हुए भारतीय क्षेत्र में आ पहुंचा। भारत के पाकिस्तान पर की गई सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी सरहद से घुसपैठ जारी है। 3 मई को बीएसएफ ने पंजाब के गुरदासपुर में एक पाकिस्तानी नागरिक को गिरफ्तार किया था। वह गुजरांवाला का रहने वाला था। 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के बाद 21 मई को बीएसएफ ने अमृतसर के करीमपुरा गांव के पास भारतीय सीमा में प्रवेश करते हुए एक पाकिस्तानी नागरिक को गिरफ्तार किया था। उसके पास से 330 रुपए की पाकिस्तानी मुद्रा बरामद हुई थी।

नया रेलवे ट्रैक शुरू होने से गुरुग्राम में उद्योगों को मिलेगी रफ्तार, रोजगार के नए अवसर होंगे पैदा

गुरुग्राम, एजेंसी।
हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर के 11.05 किलोमीटर लंबे खंड (ट्रैक) का शुभारंभ मंगलवार को केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी संयुक्त रूप से करेंगे। यह खंड मारुति प्लांट को सीधे पातली रेलवे स्टेशन से जोड़ेगा। इसके शुरू होने से उद्योगों को और रफ्तार मिलने की उम्मीद है।

हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर (एचओआरसी) हरियाणा रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचआरआरडीसी) द्वारा विकसित की जा रही एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। 121.7 किलोमीटर लंबा प्रस्तावित कॉरिडोर पलवल से सोनीपत तक है। इससे गुरुग्राम, मानेसर, फर्रुखनगर और खरखौदा जैसे प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र जुड़ेंगे। इस पूरे कॉरिडोर का मुख्य उद्देश्य दिल्ली के रास्ते होने वाले रेल यातायात के दबाव को कम करना है। इसके अलावा हरियाणा के औद्योगिक केंद्रों को सीधे रेल कनेक्टिविटी प्रदान करना है। मारुति प्लांट से पातली रेलवे स्टेशन तक का 11.5 किलोमीटर का खंड इस विशाल परियोजना का पहला तैयार होने वाला हिस्सा है।

ईरान में फंस गए कर्नाटक के अलीपुर गांव के 100 से ज्यादा लोग

चिकबलपुर, एजेंसी।
इजराइल और ईरान के मध्य बढ़ते तनाव के बीच कई भारतीय नागरिक ईरान में फंसे हुए हैं। इनमें से 100 से ज्यादा लोग कर्नाटक के चिकबलपुर जिले के अलीपुर गांव से हैं। यह गांव मुख्य रूप से शिया मुस्लिमों का गांव है। इनमें छात्र, परिवार और कामकाजी पेशेवर शामिल हैं, जो शिक्षा, व्यवसाय और धार्मिक गतिविधियों के लिए ईरान गए थे। तेहरान में दूतावास और कर्नाटक में स्थानीय सरकारी अधिकारियों के साथ भारतीय अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं और क्षेत्र में फंसे लोगों की सुरक्षित वापसी के लिए इंतजाम में सहयोग कर रहे हैं।

नवीनतम मतदाता सूची के अनुसार, अलीपुर लगभग 25,000 लोगों की आबादी वाला गांव है जिसमें 8,000 से 8,500 मतदाता हैं। यहां हिंदुओं की आबादी भी है, लेकिन लगभग 90 प्रतिशत निवासी मुस्लिम हैं जो मुख्य रूप से शिया समुदाय से हैं। यह गांव ईरान के साथ अपने गहरे धार्मिक और सांस्कृतिक संबंधों के लिए जाना जाता है, जो इसे धर्म से जुड़े एवं चिकित्सा अध्ययन के लिए एक आम गंतव्य बनाता है।

अलीपुर में मस्जिद-ए-जाफरिया के इमाम मौलाना सैयद मोहम्मद यूशा अबेदी ने कहा, 'हमारे अलीपुर के कुछ छात्र वर्तमान में ईरान में पढ़ाई कर रहे हैं।' अबेदी ने कहा, 'कोम में लगभग 50 लोग हैं और लगभग 15 छात्र तेहरान में एमबीबीएस कर रहे हैं। अन्य 25 से 30 लोग कोम और मशहद जैसे शहरों में व्यवसाय में शामिल हैं। कुल मिलाकर अलीपुर के लगभग 100 लोग वर्तमान में ईरान में हैं, जिनमें परिवार और बच्चे शामिल हैं।'

हाल में इजराइल के हवाई हमलों के बाद ईरान के विभिन्न शहरों में रहने वाले अलीपुर के अधिकतर निवासियों को सुरक्षित क्षेत्रों में ले जाया गया है। इमाम ने कहा, 'भारतीय दूतावास संपर्क में है और दूतावास ने इनमें से कई को तेहरान से कोम में स्थानांतरित करने में मदद की है।'

ईरान में बीडीएस की छात्रा हबीबे जहरा के पिता सैयद अबू ताहिर ने कहा, 'वे अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं और हमें उम्मीद है कि सभी सुरक्षित लौट आएंगे।' ताहिर ने कहा, 'मेरी बेटी 2024 से वहां बीडीएस की पढ़ाई कर रही है और लड़कियों के छात्रावास में रह रही है। वहां सब कुछ ठीक है, लेकिन मौजूदा स्थिति को देखते हुए हम डरे हुए हैं। हमने स्थानीय अधिकारियों को पहले ही सूचित कर दिया है और विकास सौध (कर्नाटक राज्य सचिवालय) के एक अधिकारी ने भी हमसे संपर्क किया है। वे इस स्थिति में हमारा समर्थन कर रहे हैं।'

मूल रूप से अलीपुर के निवासी सकलेन अब्बास बेंगलुरु में कॉलेज में अपने बेटे के दाखिले के लिए 20 दिन पहले भारत लौटे थे। हालांकि, उनकी पत्नी और दो बच्चे ईरान में ही हैं। उन्होंने कहा, 'मेरी पत्नी ईरान में फंसी हुई हैं। कर्नाटक के कई लोग वहां फंसे हुए हैं, जिनमें छात्र भी शामिल हैं। फिलहाल, स्थिति सामान्य है। सभी दुकानें खुली हैं और काम कर रही हैं। हालांकि, मौजूदा स्थिति को देखते हुए हालात और खराब होने की आशंका है।

कार ड्राइवर की हत्या, अर्द्धनग्न अवस्था में पड़ा मिला शव

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। अलीगढ़ में कार चालक की गोली मारकर हत्या कर दी, घर से कुछ दूरी पर अर्द्धनग्न हालत में शव पड़ा मिला। गोली कनपटी में मारी गई थी,चालक मंगलवार शाम से लापता था, परिजन उसकी खोज कर रहे थे। पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर अंत्य परीक्षण के लिए पोस्टमार्टम गृह के लिए भेज दिया। गॉव नगला हिमाचल ऋषि किराए की कार चलाते थे, मंगलवार शाम को वह घर से बिना बताए निकल गए थे। घर वालों ने काफी खोजा मगर पता नहीं चला। बुधवार सुबह ग्रामीणों ने ऋषि का खून से लथपथ शव उसके घर से पचास मीटर दूरी पर एक खाली प्लॉट पर पड़ा देखा। ऋषि की कनपटी में गोली मारी गई थी, ग्रामीणों ने परिजनों को सूचना दी। कुछ देर में थाना पुलिस व पुलिस क्षेत्राधिकारी धनंजय सिंह पहुंचे व फोरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। ऋषि की तीन साल पहले शादी हुई थी, उसके पास दो साल की एक बेटी है। पुलिस क्षेत्राधिकारी धनंजय सिंह ने बताया कि जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

एसएसपी ने कार्यालय पर की जनसुनवाई

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। एसएसपी संजीव सुमन द्वारा पुलिस कार्यालय पर प्रतिदिन की भाँति जनसुनवाई की गई एवं आने वाले फरियादियों की समस्याओं को सुनकर गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध त्वरित निश्तारण हेतु अधीनस्थों को दिशा-निर्देश दिये गये।

पुलिस ने चलाया संघन चेकिंग अभियान

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में पुलिस द्वारा बैंक, एटीएम, वित्तीय प्रतिष्ठान आदि की संघन चेकिंग कर आस-पास खड़े संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग की जा रही है। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था सम्बन्धी उपकरण दृ सायरन, सीसीटीवी कैमरे, गार्ड इत्यादि को चेक कर शाखा प्रबंधक व सुरक्षा में लगे कर्मचारी गणों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

आपत्तिजनक पोस्ट वायरल, पुलिस ने की त्वरित कार्यवाही, युवक गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। सोशल मीडिया प्लेटफार्म (इंस्टाग्राम/एक्स) पर एक वीडियो तेजी से वायरल होने के बाद पुलिस प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लेते हुए जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि यह वीडियो फारूक अंसारी पुत्र याकूब अंसारी निवासी मोहल्ला ईदगाह, कस्बा व थाना नहटौर, जनपद बिजनौर द्वारा अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर डाला गया था, जो कि आपत्तिजनक सामग्री से संबंधित था। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए थाना नहटौर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी फारूक अंसारी को एक मोबाइल फोन सहित गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण फारूक अंसारी पुत्र याकूब अंसारी, निवासी मोहल्ला ईदगाह, कस्बा व थाना नहटौर, जनपद बिजनौर। बरामदगी एक मोबाइल फोन, जिससे आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट की गई थी। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम उप निरीक्षक अशोक मलिक, हेड कांस्टेबल शरद पंवार, कांस्टेबल राजदीप सिंह। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि सोशल मीडिया पर कोई भी सामग्री पोस्ट करने से पहले उसकी संवेदनशीलता व वैधानिकता का ध्यान रखें। कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

अवैध कॉलोनी पर नहटौर नगर पालिका परिषद ने लगाई रोक

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। नगर पालिका क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक कॉलोनिया मानकों के विपरीत बनाई गई। उक्त कॉलोनी में सड़क, बिजली, पानी की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है। पालिका के पास भी काटी जा रही कॉलोनियों का कोई रिकॉर्ड नही है। नगर पालिका क्षेत्र नहटौर के आसपास दर्जन भर से अधिक कालोनियां विकसित की गई है। कॉलोनी का नक्शा न तो जिला प्रशासन और पालिका से स्वीकृत नही कराया गया है। कई वर्ष पूर्व काटी गई। कॉलोनी में आज तक स्ट्रीट लाइट तो दूर सड़क और बिजली आदि की सुविधा नहीं हो पाई है। नहटौर में धामपुर रोड, नूरपुर रोड, कोतवाली रोड आदि स्थानों पर कॉलोनी का निर्माण कराया गया। जिसमें कॉलोनीनाइजरों द्वारा उपभोक्ताओं को किसी तरह की कोई सुविधा मानक के अनुरूप नहीं दी जा रही है। अधिशासी अधिकारी ओम गिरी ने बताया अवैध रूप से कॉलोनी निर्माण की जानकारियां मिली है। पालिका क्षेत्र की सभी कॉलोनीयों को चिन्हित कर रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को कार्रवाई के लिए भेजी जाएगी। पालिका प्रशासन द्वारा भी अपने श्तर से कार्रवाई की जाएगी।

चोरी के टैम्पू सहित अभियुक्त गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध की रोकथाम व वांछित अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु जनपद मे चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना क्वार्सी पुलिस ने बीएनएस में अभियुक्त शिवम शर्मा पुत्र महेश शर्मा निवासी रावणटीला एटा चुंगी थाना क्वार्सी जनपद अलीगढ को इन्जीनियर कालौनी के गेट नं0 एक के पास से मय चोरी किये हुये एक टैम्पू रजिस्टर्ड संख्या यू0पी0 81 सी0टी0 5145 के साथ गिरफ्तार किया।

एसएसपी ने रिक्रूट आरक्षियों के प्रक्षिशण के संबंध में तैयारियों का लिया जायजा

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। बुधवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन द्वारा आरक्षी नागरिक पुलिस भर्ती-2023 में चयनित होकर आये 861 आरक्षी नागरिक पुलिस के आधारभूत प्रशिक्षण की छेरत पुलिस लाईन व रिजर्व पुलिस लाईन में तैयारियों का जायजा लिया गया, एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।जनपद में पुरुष आरक्षी का नवीन पुलिस लाइन छेरत अलीगढ़ व महिला आरक्षी का रिजर्व पुलिस लाईन अलीगढ़ में प्रशिक्षण प्रारम्भ हो गया है, जिसमें जनपद अलीगढ़ को 861 आरक्षी (689 पुरुष व 172 महिला) प्रशिक्षण हेतु नामित किए गए है। पुरुष आरक्षी जनपद अमरोहा, बिजनौर, मुरादाबाद, गाजियाबाद, मेरठ, मुजफ्फरनगर एवं महिला आरक्षी जनपद मेरठ व बागपत से है। उक्त आरक्षियों को बदलते समाज के हिसाब से तथा नवीन तकनीक एवं नए नए नियम कानून विशेष अधिनियम एवं शस्त्रों के प्रयोग में दक्ष बनाने हेतु बहुत ही बारीकी से प्रशिक्षित किया जायेगा।

सोलर पैनल से चलेंगे नगर निगम के विद्युत उपकरण

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

पिछले दिनों लाखों रुपये के नगर निगम के विभिन्न विभागों के बिजली कनेक्शन के बिलों के भुगतान को देखकर नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने गहरी चिंता जताते हुए अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव के साथ विद्युत आपूर्ति के बिलों में कटौती की दिशा में नगर निगम की सभी संपत्तियों पर रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित कराए जाने पर चर्चा की।

नगर आयुक्त ने नगर निगम के सभी विभागों में विद्युत कनेक्शन पर प्रति महीने होने वाले खर्च विद्युत आपूर्ति कनेक्शन की डिटेल नगर निगम संपत्ति की डिटेल का पूरा ब्यौरा तलब किया है।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने नगरीय क्षेत्र में इलेक्ट्रिक एनर्जी को सेव करने और पर्यावरण बचाओ को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर निगम के सभी संपत्तियों पर रूफटॉप सोलर पैनल लगाए जाने का निर्णय लिया है।

पहले चरण में जवाहर भवन, जलकल प्रांगण सभी जोनल कार्यालय, सीवर पंपिंग स्टेशन एफएसटीपी प्लांट, वाहन पार्किंग यार्ड/वर्कशॉप, कूड़ा ट्रांसफर स्टेशन, ट्यूबवैल, कूड़ा प्रोसेसिंग प्लांट, निर्माण स्टोर, स्वच्छता सर्किल कार्यालयों पर रूफटॉप सोलर पैनल लगाए जाने की कार्ययोजना बनायी जा रही है। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि विद्युत आपूर्ति पर अनावश्यक खर्च को रोकने और सोलर एनर्जी का इश्तेमाल ज्यादा से ज्यादा करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि पहले चरण में जवाहर भवन, जलकल प्रांगण, सभी जोनल कार्यालय, सीवर पंपिंग स्टेशन, एफएसटीपी प्लांट, वाहन पार्किंग यार्ड व वर्कशॉप, कूड़ा ट्रांसफर स्टेशन, ट्यूबवैल, कूड़ा प्रोसेसिंग प्लांट, निर्माण स्टोर, स्वच्छता सर्किल कार्यालयों पर रूफटॉप सोलर पैनल लगाए जाएंगे।

नगर निगम द्वारा आने वाले दिनों में इलेक्ट्रिक एनर्जी को सेव करने और नगरीय क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा लोगों को रूफटॉप सोलर पैनल लगाने के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से काम किया जाएगा। इससे न केवल विद्युत आपूर्ति पर खर्च कम होगा, बल्कि पर्यावरण भी बचेगा। महापौर प्रशांत सिंघल ने कहा कि अलीगढ़ नगर निगम का यह निर्णय न केवल विद्युत आपूर्ति पर खर्च को रोकेगा, बल्कि पर्यावरण बचाने में भी मदद करेगा। इससे शहरवासियों को भी रूफटॉप सोलर पैनल लगाने के लिए प्रेरित किया जा सकेगा।

सपा पिछला वर्ग जिला अध्यक्ष ने पीडीएफ कार्यक्रम का आयोजन कर लोगों को जागृत किया

✷ एनसीआर टुडे. बढ़ापुर ✷

विधानसभा के कस्बा बढ़ापुर में पी डी ए कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसको संबोधित करते

हुए कश्यप संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सपा पिछड़ा वर्ग के जिला अध्यक्ष बी के कश्यप एडवोकेट ने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि इन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को खत्म कर दिया है। देश में बेरोजगारी भुखमरी महंगाई बढ़ी है। केवल सपा प्रमुख रहे माननीय मुलायम सिंह यादव जी ने पिछड़ों की लड़ाई को लड़ते हुए, इन्हें पंचायत में 27 परसेंट का आरक्षण दिया था।

फूलन देवी को सांसद बनाकर समाज के सम्मान को बढ़ाने का कार्य किया था।, इससे पहले नगीना में बलराम कश्यप के प्रतिष्ठान पर पवन कश्यप जिला अध्यक्ष कश्यप संघर्ष समिति के नेतृत्व मैं बी के कश्यप एडवोकेट का फूल मालाओ से स्वागत किया गया।

फिर इस्लामपुर में दिलशाद अल्वी की टीम के द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर पवन कश्यप, गजराज कश्यप, मोनू कश्यप, उदय राज कश्यप, भारत कश्यप, रंजीत कश्यप, बहादुर कश्यप, मोनू भूईयार, अनिल विश्वकर्मा, लव कुश कश्यप, दिलशाद अल्वी, रामावतार वर्मा, छोटन सैनी आदि उपस्थित रहे।

नगीना सपा विधायक ग्राम फूल्सनदा मृतक सरफराज को परिजनों से मिले

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

डायलिसिस के दौरान जिला अस्पताल में सरफराज की मृत्यु होने के उपरांत नगीना विधायक एवं पूर्व मंत्री मनोज पारस ने फुलसंदा में पहुंचकर परिजनों का ढाढ़स बंधाया।

उन्होंने सरफराज की मृत्यु लापरवाह सिस्टम से होना बताया। उन्होंने पार्टी श्तर से भी सरफराज को मदद करने का आश्वासन दिया।

नगीना विधायक एवं पूर्व मंत्री मनोज पारस फुलसंदा स्थित मृतक सरफराज के परिजनों से मिले। एक दौरान परिजनों ने जिला अस्पताल की विभिन्न खामियों के बारे में भी विधायक को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सरफ़राज़ के मामले को पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा तुरंत संज्ञान में लिया था।

पूर्व मंत्री एवं विधायक नगीना मनोज पारस ने बताया कि उनके द्वारा जिलाधिकारी से तत्काल वार्ता की गई थी। जिस पर संबंधित कंपनी व जिम्मेदार लोगो के विरुद्ध कार्रवाई की गयी। परिजनों द्वारा मृतक का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया लेकिन फिर भी पार्टी श्तर से मृतक के परिजनों को मदद करायेंगे।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सपा शासन में पास हुआ यह मेडिकल कॉलेज किरतपुर में बना था लेकिन भाजपा की गलत नीति के कारण इसे दो भागों में कर दिया है। जिस कारण मरीजों को इसका समुचित लाभनहीं मिल पा रहा है। इस दौरान मौ. जाकिर, मौ. फारूख, मौ. जफर, मौ. जाहिद, सुहैल अंसारी ब्लाक अध्यक्ष कोतवाली, मौ. फैजान, शकील अंसारी, शराफत अलीकोठीवाले, सयाद अंसारी आदि उपस्थित रहे।

पुराने जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने को नहीं लगाने पड़ेंगे चक्कर’’

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

वर्ष 2015-2020 के मध्य ई-नगर सेवा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन निर्गत जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्रों को बनवाना अब बेहद सरल हो गया है।

पिछले काफी समय से इस जटिल समस्या से जूझ रहे शहर वासियों को नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बड़ी राहत देते हुए मात्र 10 रूपये के एफिडेविट के आधार पर 2015 से 2020 के मध्य ई नगर सेवा पोर्टल पर बनवाए गए प्रमाण पत्रों को वर्तमान सीएसआर पोर्टल पर अपलोड करते हुए प्रमाण पत्र जारी करने का आदेश दिया है।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि विभागीय एवं कार्यहित में वर्ष 2015-2020 के मध्य ई-नगर सेवा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन निर्गत जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्रों को सी०आर०एस० पोर्टल से जारी करने हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों के आवेदकों से मात्र 10 रुपये के एफिडेविट व शपथ पत्र लिया जाएगा जिसके पश्चात क्षेत्रीय सेनेटरी सुपरवाईजर एवं स्वच्छता एवं खाद्य निरीक्षक की स्थलीय जॉच व सत्यापन उपरान्त नगर निगम श्तर से प्रमाण पत्र निर्गत कर दिया जाएगा।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कहा नगर आयुक्त के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने की व्यवस्था में यह समस्या सबसे ज्यादा जटिल थी इसका स्थानीय श्तर पर समाधान बेहद जरूरी था।

आवेदक इधर-उधर अपने प्रमाण पत्र बनाने के लिए जाना पड़ता था अब उक्त अवधि का प्रमाण पत्र मात्र एफिडेविट और विभागीय रिपोर्ट के आधार पर ऑनलाइन सीएसआर पोर्टल से जारी हो सकेगा इस व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

नगर आयुक्त ने बताया इस व्यवस्था के लागू होते ही लगभग जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र आवेदन की 70 प्रतिशत पेंडेंसी का निश्तारण हो सकेगा आने वाले समय में दो से तीन सप्ताह के भीतर आवेदक को आसानी से प्रमाण पत्र भी प्राप्त हो सकेगा।

वरिष्ठ पत्रकार अनुज शर्मा का आकस्मिक निधन, पत्रकारिता जगत में फैली शोक की लहर

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

वरिष्ठ पत्रकार अनुज शर्मा के आकस्मिक निधन से पत्रकारिता जगत में शोक की लहर दौड़ गई। उनके स्वर्गवास की खबर सुन दर्शन के लिये आवास पर उनके चाहने वालों का तांता लग गया।

प्राप्त विवरण के अनुसार नगीना निवासी वरिष्ठ पत्रकार अनुज शर्मा के आकस्मिक निधन के समाचार से जहां हर कोई श्तंभ है। तो वहीं पत्रकारिता जगत के साथ-साथ उनके मृत्यु का समाचार सुनकर उद्यमी से लेकर आम आदमी तक शोक में दिखाई पड़ रहा है। मंगलवार की दोपहर अनुज शर्मा के सीने में दर्द होने की शिकायत पर परिवार के लोग उन्हें चिकित्सा हेतु बिजनौर ले गए, डॉक्टर के भरपूर प्रयास के बावजूद भी उनको बचाया नहीं जा सका है।

देर शाम उनका निधन हो गया है। उनके निधन का समाचार सुनकर, पत्रकारिता जगत में शोक की लहर दौड़ गयी। उनके मृत्यु की खबर सुनकर लोग उनके दर्शन के लिये उनके आवाज पर पहुंचने लगे। आपकों बता दें कि वरिष्ठ पत्रकार अनुज शर्मा अमर उजाला, दैनिक जागरण जैसे अखबारों में अपनी सेवा दे चुके हैं।

फिलहाल वह पंजाब केसरी के तहसील प्रभारी पद पर कार्य कर रहे थे। उधर वरिष्ठ पत्रकार तनवीर अंसारी ने कहा कि उनके अचानक हुए निधन से पत्रकारिता जगत में उनकी कमी सदैव खलती रहेगी।

दैनिक एनसीआर टुडे परिवार की ओर से दिवंगत पत्रकार की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की जाती है परमपिता परमात्मा दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें साथ ही पीड़ित परिवार को उद्योग को सहन करने की शक्ति प्रदान करें

मोहर्रम को लेकर कोतवाली में हुई अमन कमेटी की बैठक

सोलंकी ने कहा कि ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे किसी की भावना को ठेस पहुंचे : राजेश सिंह

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

आगामी त्योहार मुहर्रम को लेकर कोतवाली प्रांगण में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें सीओ अफजलगढ़ राजेश सिंह सोलंकी ने नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र के सभी लोगों से कहा कि आने वाली 7 जुलाई को मोहर्रम त्योहार को परंपरागत एवं शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील की।

उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि कोई नई परंपरा की शुरुआत नहीं होनी चाहिए।

बुधवार को कोतवाली अफजलगढ़ प्रांगण में आगामी त्योहार मोहर्रम गोष्ठी को लेकर सीओ अफजलगढ़ राजेश सिंह सोलंकी ने मोहर्रम अमन कमेठी के लोगों से कहा कि कोई ऐसा कार्य न करें, जिससे किसी की भावना को ठेस पहुंचे।

उन्होंने बताया कि कोई समस्या हो उसे तत्काल पुलिस को अवगत कराया। उन्होंने शांति समिति के सदस्यों से समस्याओं के समाधान संबंधी सुझाव भी मांगे।

जितने भी जुलूस आयोजक हैं, वे पर्याप्त संख्या में वॉलेंटियर नियुक्त कर दें। जो पुलिस प्रशासन से कंधे से कंधा मिलाकर त्योहार को सकुशल संपन्न कराने में सहयोग करें। उन्होंने वॉलेंटियर की सूची संबंधित थाने को उपलब्ध करवाने को कहा।

जुलूस निर्धारित रूट से ही जाए और इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि ताजिया की ऊंचाई औसत से अधिक न हो। शांति समिति के सदस्यों को सुरक्षा व अन्य व्यवस्था के दृष्टिगत जरूरी सतर्कता बरतने के लिए कहा सभी को अमन कमेटी की बैठक में आने को लेकर कहा गया ताकि जो भी समस्याएं हों उनको समय रहते निश्तारण करा दिया जाए।

बैठक में ताजियों की लंबाई चौड़ाई दिए गए सरकारी दिशा निर्देश के अनुसार रखी जाने पर विशेष जोर दिया गया और कहा गया कि निर्धारित मार्गो से ही अपना ताजिया निकालें और तय शुदा स्थान पर ही अपना ताजिया रखें जूलूस के दौरान आवागवन बाधित ना हो इसका ख्याल अवश्य रखें।

वही मोहर्रम गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए थानाध्यक्ष सुमित राठी ने आगामी त्योहार मोहर्रम को लेकर सभी लोगों से शांति एवं सौहार्द के मनाने की अपील करते हुए मोहर्रम कमेटी के लोगों से पर्व संबंधी जानकारियां ली।

इस अवसर पर थानाध्यक्ष सुमित राठी के आलावा पूर्व चेयरमैन नफीस कुरैशी, पूर्व चेयरपर्सन पति सलीम अंसारी एडवोकेट,नूर हसन,शमशेर अहमद, मोहम्मद मोबीन,मुश्ताकीम अहमद, नाजिम अंसारी तथा नवाब अहमद आदि उपस्थित रहे।

टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत टीबी स्क्रीनिंग शिविर हुआ आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत सुरेंद्र नगर क्षेत्र में एक विशेष टीबी स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधान परिषद सदस्य डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, स्थानीय गणमान्यजन और आमजन उपस्थित रहे।

एमएलसी ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा संकल्प लिया गया है कि भारत को 2025 तक टीबी मुक्त किया जाए, ऐसा केवल सरकारी प्रयासों से नहीं, बल्कि जनसहयोग और सामूहिक चेतना से ही संभव है। जिले में यह जागरूकता कार्यक्रम प्रशंसनीय है।

जिला कार्यक्रम समन्वयक सतेंद्र कुमार ने बताया कि यह अभियान केवल एक चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता का सशक्त माध्यम है। सुरेंद्र नगर जैसे क्षेत्रों में शिविर के माध्यम से हम घर-घर जाकर लक्षणयुक्त व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें तुरंत जांच व उपचार से जोड़ रहे हैं।

इस अभियान में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से हम अधिक प्रभावी परिणाम की ओर अग्रसर हैं। इस अवसर पर पियूष गौतम, अंजना शर्मा, सुभाष कुमार समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मी, गणमान्यजन व स्वयंसेवी उपस्थित रहे। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने अपनी टीबी जॉच कराई, साथ ही टीबी से जुड़े लक्षणों, उपचार और सरकारी सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की।

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी मुक्त भारत अभियान को गति देने के लिए बुधवार को मदरसा कासिमपुर पावर हाउस में एक विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्रों को टीबी रोग के लक्षण, उपचार, जांच प्रक्रिया, तथा निःशुल्क उपलब्ध सरकारी सेवाओं, पोषण-पोटली योजना और निःक्षय पोषण भत्ता के बारे में विश्तार से बताया गया, जिससे छात्र और उनके परिवार टीबी के इलाज के दौरान सरकारी सहायता का लाभ उठा सकें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 नीरज त्यागी ने कहा कि विद्यालय और मदरसों जैसे संस्थान बच्चों और युवाओं को जागरूक करने का एक प्रभावशाली माध्यम हैं। टीबी के लक्षणों की पहचान और समय पर इलाज से इस बीमारी को पूरी तरह से हराया जा सकता है।

जिला क्षय रोग अधिकारी, डॉ. राहुल शर्मा ने कहा कि हमारा प्रयास है कि समुदाय के हर वर्ग तक टीबी संबंधी सही जानकारी पहुँचे, चाहे वो ग्रामीण क्षेत्र हो या मदरसा, जागरूकता ही बचाव की पहली सीढ़ी है। जिला कार्यक्रम समन्वयक सतेंद्र कुमार ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य केवल चिकित्सा सेवा देना नहीं बल्कि समाज में टीबी के प्रति गलत धारणाओं को समाप्त करना है।

मदरसों में आयोजित ऐसे कार्यक्रम बच्चों को जागरूक नागरिक बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में मदरसे के शिक्षकगण, स्वास्थ्य विभाग की टीम, और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं। सभी ने टीबी से संबंधित जानकारी को गंभीरता से सुना और भविष्य में इसके प्रसार में सहभागी बनने की बात कही।

मानवीय संवेदनाओं की मिसाल बनीं मण्डलायुक्त संगीता सिंह

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

प्रशासनिक दायित्वों के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं की अनुपम मिसाल पेश करते हुए अलीगढ़ मण्डल की मण्डलायुक्त श्रीमती संगीता सिंह ने बुधवार को कमिश्नरी कार्यालय में तैनात वरिष्ठ होमगार्ड एवं प्लाटून कमांडर सतेन्द्र पाल सिंह की सहायता करते हुए एक सराहनीय पहल की।

सतेन्द्र पाल सिंह विगत तीन माह पूर्व एक सड़क दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल हो गए थे, जिससे उनके पैरों में गंभीर चोटें आईं। सर्जरी के उपरांत उन्हें चलने-फिरने में अत्यधिक कठिनाई हो रही थी। इस कठिन समय में मण्डलायुक्त संगीता सिंह ने उनके प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए न केवल उनके स्वास्थ्य का व्यक्तिगत रूप से संज्ञान लिया, बल्कि उन्हें व्हीलचेयर एवं वॉकर प्रदान कर शीघ्र स्वस्थ होने की शुभकामनाएं भी दीं।

श्रीमती सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सतेंद्र पाल सिंह के उपचार व देखभाल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे उन्हें कार्यस्थल व घर पर किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। मण्डलायुक्त द्वारा दिखाए गए इस मानवीय और संवेदनशील दृष्टिकोण की समस्त कमिश्नरी परिवार द्वारा मुक्त कंठ से सराहना की गई। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कहा कि श्रीमती संगीता सिंह जैसी करुणामयी, सहृदय और कर्तव्यपरायण अधिकारी दुर्लभ हैं, जो अपने अधीनस्थों की व्यक्तिगत समस्याओं को भी पूरी संवेदनशीलता से समझती हैं और उनके निराकरण के लिए तत्पर रहती हैं।

किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए सम्पन्न हुआ किसान दिवस

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिलाधिकारी संजीव रंजन के निर्देशानुसार बुधवार को किसान कल्याण केंद्र क्वार्सी फार्म परिसर में किसान दिवस का आयोजन उप कृषि निदेशक चौधरी अरुण कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। बैठक में कृषि, विद्युत, सिंचाई, बीमा, खाद्य, बैंकिंग एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ जनपद के प्रमुख कृषक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ0 अशरफ अली द्वारा मक्का, उर्द, मूंग एवं धान जैसी फसलों में कीट प्रबंधन पर विश्तार पूर्वक जानकारी दी गई। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रयोग के लिए जागरूक किया गया।

बैठक के दौरान कृषकों द्वारा कई महत्वपूर्ण समस्याएं एवं सुझाव रखे गए, जिनमें प्रमुख रूप से वीरेन्द्र कुमार द्वारा गांवों में जर्जर विद्युत लाइनों को बदलवाने, चौधरी नवाव सिंह पूर्व महासचिव भारतीय किसान यूनियन द्वारा मक्का एवं बाजरा का समर्थन मूल्य बढ़ाने एवं खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए मक्का, बाजरा की खरीद 01 जून से प्रारम्भ करने, मोहनलाल द्वारा निजी नलकूप उपभोक्ताओं को 1045 यूनिट से अधिक बिजली खपत पर यथोचित बिल देने की मांग, भगवती प्रसाद शर्मा द्वारा नकली बीज एवं कीटनाशकों की बिक्री रोकने के लिए छापेमारी की मांग, धान की रोपाई के दौरान बिजली आपूर्ति बढ़ाने का आग्रह, किसान क्रेडिट कार्ड से संबंधित खतौनी बंधन मुक्ति की समस्या, फसल बीमा के

विकल्प एवं क्षतिपूर्ति संबंधी प्रक्रिया पर विश्तृत चर्चा की गई।

बैंक प्रतिनिधियों द्वारा बताया गया कि केसीसी जमा करने के उपरांत ऑनलाइन माध्यम से तहसील पोर्टल पर खतौनी बंधनमुक्त करने के लिए अग्रसारित किया जाता है। फसल बीमा प्रतिनिधि ने स्पष्ट किया कि बीमा न चाहने वाले कृषकों को 24 जुलाई (खरीफ) एवं 24 दिसंबर (रबी) से पूर्व बैंक में संबंधित घोषणा करनी होगी। क्षति की स्थिति में 72 घंटे के भीतर टोल फ्री नंबर 14447 पर सूचना देना अनिवार्य है।

इफको, डीएपी उर्वरक की उपलब्धता संबंधी प्रश्न पर बताया गया कि शीघ्र ही 1344 मीट्रिक टन डीएपी जनपद को प्राप्त होगी, जिसका वितरण सहकारी समितियों के माध्यम से किया जाएगा।

जिला कृषि अधिकारी ने कृषकों से फास्फेटिक उर्वरकों के वैकल्पिक स्त्रोतों के उपयोग का आग्रह किया। उप कृषि निदेशक चौधरी अरुण कुमार द्वारा संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण निश्तारण कर एक सप्ताह के भीतर आख्या उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

संपादकीय

प्रबंधन से ज्यादा जरूरी है आपदा रोकना

अहमदाबाद या उत्तराखंड हादसे से लेकर कोविड के नाम पर तालाबंदी के जरिए देश भर के करोड़ों प्रवासी मजदूरों के जीवन में तबाही लाने जैसे अधिकांश मामलों में मुख्य भूमिका सरकार की दिखती है या उसकी तरफ से दी गई ढील की है। अगर सिंगल इंजन के विमानों को दुर्गम पहाड़ियों वाले उत्तराखंड में ऑटो की तरह पैसेंजर ढोते सब लोग देख लेते हैं तो यह सरकार को क्यों नहीं दिखता।

सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के राहत आयुक्तों और आपदा प्रबंधन के मुखिया लोगों के बीच जब केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह आपदा प्रबंधन में भारत को दुनिया का अगुआ और मोदी राज के दस वर्षों में यह उपलब्धि हासिल करने का दावा कर रहे थे तब डरावने विमान हादसे से बिखरे मलबे और मानव अंगों को समेटने और पहचानने का काम पूरा नहीं हुआ था और जिस किसी भी प्रत्यक्ष या वीडियो वगैरह के जरिए राहत एजेंसियों के लोगों को लगन और धैर्य से काम करते देखा होगा वह एक बार गृह मंत्री के दावे पर भरोसा कर लेगा। वैसे यह अलग बात है कि इसी अमित शाह ने इसी दुर्घटना को लेकर जैसा कैजुअल बयान दिया था उसकी काफी आलोचना हुई थी।

आपदा प्रबंधन वाले लोगों के काम की मुश्किल इस बात से भी समझी जा सकती थी कि जब शायद ही कोई शव साबुत मिला हो तब टुकड़ों के आधार पर उसकी पहचान करके घरवालों को सही व्यक्ति की लाश सौंपना असंभव बन गया। लगभग आधे शव ही पहचाने जा सके। हजारों हजार रुपए देकर यात्रा करने वाले यात्रियों और आकाश से आने वाली मौत से अनजान डाक्टर बनने का सपना लेकर आगे बढ़ रहे हास्टल वाले बच्चों के परिवार वालों को अगर शव सौंपना संभव न हो तब सफलता-विफलता और दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनने का दावा क्यों नहीं करना चाहिए यह समझ तो इतने जिम्मेदार नेता में होनी चाहिए। अब यह दुर्घटना या इसके ठीक बाद हुई उत्तराखंड में हेलीकाप्टर दुर्घटना या पुणे में पुल टूटने की घटना या बेंगलुरु में भगदड़ या कुम्भ की भगदड़ या हाथरस की भगदड़ या फिर बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं या कोविड जैसी महामारी के बीच हमारी इन आपदा प्रबंधन एजेंसियों के कामकाज पर नजर डालेंगे तो रिकार्ड फिफ्टी-फिफ्टी का ही मिलेगा। " इन पर होने वाले खर्च को जोड़ेंगे तो हिसाब और महंगा लगेगा। इनकी जरूरत और इनकी कार्यकुशलता की मांग तो लगातार बढ़ती जा रही है। लेकिन गृह मंत्री का यह दावा राजनैतिक लगता है कि एजेंसियों ने मोदी राज में नुकसान को न्यूनतम या कम करने की जगह शून्य करने में सफलता पाई है। वे यह कहने से भी नहीं चूके कि आपदा एक वैश्विक समस्या है क्योंकि जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान में वृद्धि के चलते इनकाक्रम बढ़ गया है। इस बात में सच्चाई हो सकती है लेकिन सारी आपदाओं को प्रकृति और जलवायु के बदलावों के मत्थे मढ़ना ठीक नहीं है। असल में उस बदलाव और बिगाड़ाव के लिए हमी दोषी हैं, हमारी सरकारों की नीतियां दोषी हैं।

अपने यहां अहमदाबाद या उत्तराखंड हादसे से लेकर कोविड के नाम पर तालाबंदी के जरिए देश भर के करोड़ों प्रवासी मजदूरों के जीवन में तबाही लाने जैसे अधिकांश मामलों में मुख्य भूमिका सरकार की दिखती है या उसकी तरफ से दी गई ढील की है। अगर सिंगल इंजन के विमानों को दुर्गम पहाड़ियों वाले उत्तराखंड में ऑटो की तरह पैसेंजर ढोते सब लोग देख लेते हैं तो यह सरकार को क्यों नहीं दिखता। उसके साथ दलालों और पैसों की लूट करने वाली कंपनियों का रिश्ता क्यों नहीं दिखता। हवाई यातायात ही नहीं, सड़क और रेल परिवहन जितना लूटने लगे है उनमें सुविधाओं और सुरक्षा की उतनी ही कमी क्यों आती जा रही है। सड़े गले पुल पर ट्रैफिक न जाए यह देखना किसका जिम्मा है? लोगों के बड़े जमावड़े की इजाजत देते समय कायदे कानून को क्यों बिसरा दिया जाता है? ऐसी दुर्घटनाएं बार-बार हो रही हैं और एनडीआरएफ के जवानों की बहादुरी और कर्तव्यपरायणता के बावजूद बड़ी संख्या में मौत हो जाती है। ऐसी जगह सरकार किसके पक्ष में होती है यह बताया न भी जाए तो इतना जरूर होता है कि वह नुकसान को कम से कम बताकर अपनी जिम्मेवारी से बचना चाहती है।

इस बात का सबसे अच्छा उदाहरण पहलगाम कांड और हमारी सैनिक कार्रवाई की गहमागहमी के बीच कोविड से हुई मौतों का आंकड़ा जारी करना है। यह काम गृह मंत्रालय का ही था और जन्म तथा मृत्यु के आंकड़े जारी करने का रूटीन काम भी कई साल बाद किया गया। इस सरकारी आंकड़े से पता चला कि अकेले 2021 में कोविड से मौत के आंकड़े तीन लाख नहीं बीस लाख से ज्यादा है- पहले बताए जाने वाले आंकड़े से लगभग सात गुना। गुजरात जैसे राज्य में आंकड़ों का फासला साठ गुना लगता है तो उत्तर प्रदेश में भी सात के कई गुना ज्यादा। इस बीच कोविड प्रबंधन में दुनिया भर में झण्डा फहराने जैसे न जाने कितने दावे किए गए। इन मौतों को लेकर सारे चैनल और अखबार सरकार की भक्ति में न थे लेकिन हिन्दू की रिपोर्टों को अनदेखा किया गया तो भास्कर को डांटकर चुप करा दिया गया। अंग्रेजी मीडिया की खबरों से सरकार को ज्यादा चिंता नहीं होती। याद कीजिए, दानिश सिद्दीकी द्वारा लाश से पटी सीमापुरी श्मशान की तस्वीरों पर क्या कहा गया या भास्कर को किस तरह माफी मांगने पर मजबूर किया गया। अफ़गान युद्ध में फोटोग्राफी करते वक्त जान गंवाने वाले दानिश को तब शासक दल के प्रवक्ता गिद्ध कहते थे।

ऐसा ही मामला हाल में हुए कुम्भ हादसे में मरने वालों और उनके परिजनों के साथ हुए व्यवहार का है। कुम्भ को सदी का ही नहीं सदा का सर्वश्रेष्ठ आयोजन बताने और इस भगदड़ को दुर्घटना बताने वाले मामले की पोल बीबीसी के कुछ पत्रकारों ने खोली जब साफ हुआ कि मुआवजे किस भेदभावपूर्ण तरीके से बंटे, कम लोगों को दिए गए और अधिकांश को नहीं मिले।

मौत का आंकड़ा भी सरकारी दावे से कई गुना है। कहीं नकदी तो कहीं बैंक ट्रांसफर क्यों किया गया? यह साफ नहीं है। लेकिन इस बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने हाथरस भगदड़ के मुख्य जिम्मेदार को किस तरह बेदाग बचा लिया यह खबर कुम्भ भगदड़ जितनी चर्चा भी नहीं पा सका। उस बाबा पर प्राथमिकी तक दर्ज नहीं हुई और पूछताछ भी औपचारिकतावश हुई। कोविड वाले लाकडाउन में तो प्रवासी मजदूरों की दुर्गति किसी बाबा के चलते न होकर सरकार के गलत फैसले से हुई जिसमें मोदी और शाह सभी शामिल थे। इसलिए साफ लगता है कि दावे जो किए जाए, आपदा प्रबंधन एजेंसियों का काम जितना सुधारा हो आपदा लाने वाले ज्यादा गैर जिम्मेदार हुए हैं, नैतिकता गायब हुई है और फैसलों में कामकाज सुधारने और अच्छे प्रबंधन की जगह दूसरी वजहें प्रभावी होती जा रही हैं।

भारत में बढ़ती कर्मचारियों की मानसिक समस्याएं

डा. वरिंदर भाटिया

वर्कप्लेस पर ऐसा माहौल तैयार करने की जरूरत है, जिसमें कर्मचारी बिना किसी अंदेशे के अपने विचार साझा कर सकें। ऐसा माहौल सबके लिए फायदेमंद होता है। ऐसे कई उदाहरण हैं, जिनमें सहज माहौल में बातचीत के जरिए दफ्तरों के अंदर के कई जटिल मसले आसानी से हल कर लिए गए। काम करने में आजादी महसूस करना भी पॉजिटिव माहौल के लिए आवश्यक होता है।

जब कोई कर्मचारी स्वतंत्र रूप से काम करता है, तो वह अपना पूरा प्रयास लगाता है। ऐसे में उसका प्रदर्शन तो अच्छा होता ही है, मनोवैज्ञानिक श्तर पर भी इसके फायदे मिलते हैं। ऐसा सिस्टम विकसित करने की जरूरत है कि कर्मचारियों में किसी प्रकार का तनाव न हो। वे खुद को दबाव में न महसूस करें। जब कोई व्यक्ति मानसिक रूप से आश्वश्त रहता है, तो उसमें अपमान या शर्म महसूस करने जैसी बात नहीं होती...

एक ताजा मीडिया रिपोर्ट के अनुसार देश में अधिकतर कर्मचारी गंभीर बीमारियों, मानसिक तनाव और थकावट से जूझ रहे हैं। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 40 साल की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते अधिकतर कर्मचारियों को गंभीर बीमारियां होने लगती हैं। 40 प्रतिशत कर्मचारी हर महीने मानसिक तनाव की वजह से छुट्टी लेते हैं। हर 5 में से 1 कर्मचारी थकावट की वजह से नौकरी छोड़ने पर विचार कर रहा है। इस रिपोर्ट के अनुसार, आजकल बड़ी और खतरनाक बीमारियां 30 की उम्र के बाद जल्दी-जल्दी लोगों को होने लगी हैं। आम तौर पर किसी सामान्य व्यक्ति का सबसे ज्यादा समय वर्कप्लेस पर ही बीतता है।

स्वाभाविक ही वर्कप्लेस का बिगड़ा माहौल बड़ी संख्या में लोगों को शारीरिक और मानसिक रूप से बीमार बना रहा है। वर्कप्लेस के बिगड़े माहौल का मतलब उन हालात से है, जिनमें कर्मचारियों को लगातार दबाव में काम करना पड़ता है, काम की वजह से वे खुद को हमेशा तनाव में महसूस करते हैं। आम तौर पर इसके लिए काम लेने का दोषपूर्ण अंदाज जिम्मेदार होता है। भारत की ही कई हालिया रिपोर्टों में मानसिक तनाव के कारण कॉरपोरेट अधिकारियों पर पड़ने वाले प्रभावों को उजागर किया गया है। हार्ट की बीमारी औसतन 32 साल की उम्र में शुरू हो रही है। कैंसर की जानलेवा बीमारी लगभग 33 साल की उम्र में लोगों में पाई जा रही है।

डायबिटीज करीब 34 साल की उम्र में लोगों में शुरू हो रही है। किडनी जैसी गंभीर बीमारी 35 साल की उम्र में सामने आ रही है। दिमाग से जुड़ी बीमारियां, जैसे स्ट्रोक, ब्रेन में ब्लड सप्लाई रुकना आदि 36 साल की उम्र में हो रही हैं। कम उम्र में गंभीर बीमारियां होने से लोगों की सेहत जल्दी खराब हो रही है, जिससे उनका निजी जीवन और काम करने की क्षमता दोनों पर असर पड़ता है।

इससे हेल्थकेयर सिस्टम पर बोझ पड़ता है और कहीं न कहीं इसका असर देश की आर्थिक तरक्की पर भी पड़ता है। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। सबसे बड़ी चिंता एंग्जायटी की समस्या है। इससे जुड़ी सच्चाई जानने की कोशिश करते हैं।

समय के साथ लोगों के काम करने के तरीकों में भी बदलाव आया है। ऑफिस में 9 से 5 की जॉब कब नौ से दस घंटे की बन जाती है, लोगों को पता ही नहीं चल पाता है। अपने दिन का ज्यादातर समय ऑफिस में बिताने के चलते इस माहौल में बढ़ते स्ट्रेस का असर लोगों की मानसिक स्थिति को खराब करने का एक मुख्य कारण बनता है। दरअसल, प्रोमोशन और सैलरी के ग्राफ को लगातार बढ़ाने के लिए लोग दिन-रात जी-तोड़ मेहनत करते हैं। ऐसे में

कई बार उनको स्ट्रेस, तनाव और कई प्रोजेक्ट के सही तरह से वर्क न करने के चलते तनाव का भी शिकार होना पड़ता है। कार्यस्थल पर तनाव के कारण की वजह से लगातार थकान, नींद में कमी, पेट की समस्या, घबराहट, चिड़चिड़ापन और काम में फोकस न कर पाने के लक्षण महसूस होते हैं।

यह तनाव अल्जाइमर और डिमेंशिया जैसी बीमारियों के खतरे को भी बढ़ा सकता है। ऐसा क्यों हो रहा है? सबसे पहले, जब काम का बोझ अत्यधिक बढ़ जाता है और काम के टारगेट को पूरा करने के लिए समय सीमा कम होती है, तो यह स्ट्रेस का मुख्य कारण बन सकता है। जब व्यक्ति को सही दिशा-निर्देश और संसाधन नहीं मिलते हैं, तो उसको तनाव होने लगता है, जिससे व्यक्ति काम में असफल महसूस करता है।

ऑफिस में जॉब की जिम्मेवारी भी आपके तनाव का कारण बन सकती है। इसके अलावा, कर्मचारियों को रिस्पोंसिबिलिटी न देना और कभी कमर्चारी पर ज्यादा वर्क लोड डालना भी स्ट्रेस का कारण बन सकता है। ऑफिस में काम के प्रेशर और देर रात तक काम करने के चलते व्यक्ति घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों के बीच तालमेल नहीं बना पाता है। ऐसे में भी उसको वर्क स्ट्रेस हो सकता है। इसके अलावा, ऑफिस में सहकर्मियों के साथ होने वाली पॉलिटिक्स भी कई बार स्ट्रेस का कारण बन सकती है। इसके अलावा वेतन कम होना भी कुछ कर्मचारियों में स्ट्रेस का कारण बन सकता है। इन सभी बिंदुओं पर कर्मचारियों के हित में तुरंत ध्यान दिए जाने की जरूरत है। ज्यादातर कर्मचारियों को लगता है कि अपनी कोई समस्या उठाने पर उन्हें गलत ढंग से 'जज' किया जा सकता है।

खासकर अपने देश की बात की जाए तो ज्यादातर कर्मचारियों को लगता है कि अपनी कोई समस्या उठाने पर उन्हें गलत ढंग से 'जज' किया जाएगा। इसके पीछे यह तथ्य भी है कि आम तौर पर सीनियर्स या बॉस कर्मचारियों से यह अपेक्षा रखते हैं कि वे समस्या लेकर आने के बजाय उनके सामने सॉल्यूशन पेश करेंगे। स्वाभाविक ही है, अपनी समस्या में उलझा कर्मचारी सहजता के साथ बॉस को अपनी हालत नहीं बता पाता। उसे गलत आंके जाने का डर रहता है। वर्कप्लेस पर कई बार कर्मचारियों से बुरा व्यवहार किया जाता है। उनके लिए अपमानजनक शब्दों का इश्तेमाल किया जाता है। दूसरे कर्मचारियों से तुलना कर उन्हें नीचा दिखाने का प्रयास होता है। इनसे पॉजिटिव नतीजे मिलना मुश्किल है। इसके बदले बातचीत के जरिए गुणवत्ता में सुधार की तरफ ध्यान देना ज्यादा कारगर हो सकता है।

सहज और सम्मानजनक बातचीत से कर्मचारी और मालिक के बीच एक जुड़ाव बनता है। इससे कर्मचारियों को प्रोत्साहन मिलता है। वर्कप्लेस पर ऐसा माहौल तैयार करने की जरूरत है, जिसमें कर्मचारी बिना किसी अंदेशे के अपने विचार साझा कर सकें। ऐसा माहौल सबके लिए फायदेमंद होता है। ऐसे कई उदाहरण हैं, जिनमें सहज माहौल में बातचीत के जरिए दफ्तरों के अंदर के कई जटिल मसले आसानी से हल कर लिए गए। काम करने में आजादी महसूस करना भी पॉजिटिव माहौल के लिए आवश्यक होता है।

जब कोई कर्मचारी स्वतंत्र रूप से काम करता है, तो वह अपना पूरा प्रयास लगाता है। ऐसे में उसका प्रदर्शन तो अच्छा होता ही है, मनोवैज्ञानिक श्तर पर भी इसके फायदे मिलते हैं। ऐसा सिस्टम विकसित करने की जरूरत है कि कर्मचारियों में किसी प्रकार का तनाव न हो। वे खुद को दबाव में न महसूस करें। जब कोई व्यक्ति मानसिक रूप से आश्वश्त रहता है, तो उसमें अपमान या शर्म महसूस करने जैसी बात नहीं होती। वर्कप्लेस में ऐसा माहौल बनाने के लिए प्रबंधकों और टॉप लीडर्स को विशेष प्रयास करने चाहिएं। चुनी हुई सरकारें यदि कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य की तुरंत सुध लें तो यह सोने पर सुहागा होगा।

बेटियाँ आगे बढ़ रही, पर मंच अब भी खाली!

सोनम लववंशी

यूनेस्को की वैश्विक शिक्षा निगरानी रिपोर्ट 2024 जब यह कहती है कि लड़कियों की शैक्षणिक प्रगति वैश्विक श्तर पर उल्लेखनीय रही है, तो यह सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, एक उम्मीद का सिरा है। भारत में भी यह बदलाव साफ नजर आता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लागू होने के बाद से प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक लड़कियों की भागीदारी में बढ़ोतरी हुई है। उच्च शिक्षा में उनकी भागीदारी अब 49 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है।

यह एक ऐसा तथ्य है जो न केवल भारत के भविष्य की दिशा तय करता है, बल्कि सामाजिक संरचना में बदलाव के संकेत भी देता है, किंतु इसी उजाले के साथ एक लंबी छाया खिंचती है। जब बात नेतृत्व की होती है, चाहे वह राजनीति का क्षेत्र हो, कॉरपोरेट की ऊँचाइयाँ, या तकनीकी दुनिया के निर्णायक मोर्चे, महिलाएं वहाँ बहुत पीछे खड़ी नजर आती हैं। केवल 7.2 प्रतिशत भारतीय कंपनियों में महिलाएं सीईओ पद पर हैं।

संसद में उनकी भागीदारी 14 प्रतिशत से भी कम है। वैश्विक श्तर पर यह आंकड़ा थोड़ा ही बेहतर है। विश्व बैंक की साल 2024 की रिपोर्ट की माने तो, विश्वभर में शीर्ष नेतृत्वकारी पदों में केवल 10 प्रतिशत हिस्सेदारी महिलाओं की है। यह आंकड़े न सिर्फ स्थिति की गंभीरता बताता हैं, ये सवाल भी उठाता हैं कि आखिर क्यों शिक्षा में आगे निकल चुकी महिलाएं नेतृत्व के पायदान पर पिछड़ जाती हैं?

यह सवाल और भी गंभीर तब हो जाता है, जब हम मातृसत्तात्मक समाज की बात करते हैं। मेघालय इसका ज्वलंत उदाहरण है। यहाँ

खासी और जयंतिया जनजातियों में संपत्ति और वंशानुक्रम महिलाओं से जुड़ा है। इन सबके बावजूद इस राज्य की विधानसभा में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम या यूं कहें नाममात्र ही है। ऐसे में यह विसंगति केवल सांस्कृतिक ही नहीं, संरचनात्मक और मनोवैज्ञानिक भी है।

क्या यह किसी सुनियोजित दमन का परिणाम है, या महिलाएं स्वयं नेतृत्व से दूर रहना चाहती हैं? शायद सत्य इन दोनों के बीच कहीं छिपा है, क्योंकि देश के बाकी हिस्सों की स्थिति भी काफी दयनीय है। पितृसत्तात्मक सोच, सामाजिक अपेक्षाएं, और कार्यस्थलों पर मौजूद लैंगिक भेदभाव की संरचनाएं मिलकर एक ऐसा वातावरण निर्मित करती हैं, जहाँ महिलाएं नेतृत्व के अवसरों से वंचित रह जाती हैं। अवसर मिलने पर भी उन्हें दुगना संघर्ष करना होता है। राजनीति जैसे क्षेत्र में तो यह और भी कठिन हो जाता है, जहाँ जोखिम, सार्वजनिक आलोचना, और कभी-कभी हिंसा तक का सामना करना पड़ता है। विश्व आर्थिक मंच की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि कार्यबल में वैश्विक रूप से महिलाओं की भागीदारी 42 प्रतिशत है, लेकिन वरिष्ठ नेतृत्व में यह संख्या घटकर केवल 31.7 प्रतिशत रह जाती है।

इसी प्रकार, स्टीम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) क्षेत्रों में महिलाओं की वैश्विक भागीदारी मात्र 28.2 प्रतिशत है। इसका अर्थ यह है कि महिलाएं केवल शिक्षा तक सीमित नहीं, ज्ञान के अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी अनदेखी का शिकार हैं।

वेतन असमानता भी एक बड़ी बाधा है। विश्व बैंक की वीमेन, बिज़नेस एंड द लॉ-2024 की रिपोर्ट बताती है कि महिलाएं औसतन पुरुषों की तुलना में 2.4 घंटे अधिक अवैतनिक देखभाल कार्य करती हैं। इसके अतिरिक्त, 98 देशों में समान वेतन के कानून तो हैं, लेकिन केवल 35 देशों में ही ऐसे कानूनों के प्रवर्तन और पारदर्शिता के लिए मजबूत ढांचा है। इसका सीधा प्रभाव महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और नेतृत्वकारी भूमिका पर पड़ता है। इन सबके बावजूद, तस्वीर पूरी तरह धुंधली नहीं है। बदलाव की किरणें मौजूद हैं।

भारत में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को आरक्षण दिए जाने के बाद से स्थानीय श्तर पर नेतृत्व में उनकी भागीदारी में सुधार देखा गया है। यह दिखाता है कि जब अवसर और संरचना दोनों सकारात्मक रूप में मिलते हैं, तो महिलाएं नेतृत्व में भी उत्कृष्टता दिखा सकती हैं। वैश्विक श्तर पर भी प्रयास किए जा रहे हैं।

विश्व बैंक की जेंडर स्ट्रेटेजी 2024-2030 का लक्ष्य है कि 2030 तक 300 मिलियन महिलाओं को डिजिटल कनेक्टिविटी, 250 मिलियन को सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क और 80 मिलियन महिला-नेतृत्व वाले व्यवसायों को वित्तीय समर्थन दिया जाए। ये योजनाएं महिलाओं को सशक्त करने के प्रयास नहीं, एक समावेशी भविष्य की नींव हैं। सवाल यह है कि इस नींव पर हम कैसे निर्माण करेंगे? सबसे पहले तो जरूरी है कि समाज में गहराई तक समाई लैंगिक रूढ़ियों को तोड़ा जाए।

यह काम केवल पाठ्यक्रम बदलने या पोस्टर लगाने से नहीं होगा। इसके लिए जरूरी है कि बचपन से ही लड़के और लड़कियों दोनों को समानता, नेतृत्व और सह-अशितत्व के मूल्यों की शिक्षा दी जाए।

कार्यस्थलों पर भी व्यापक बदलाव जरूरी हैं। मातृत्व अवकाश, लचीली कार्य व्यवस्था, यौन उत्पीड़न के मामलों में सख्त कार्यवाही, और महिलाओं की पदोन्नति के लिए पारदर्शी और न्यायसंगत प्रणाली का निर्माण अनिवार्य है। राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए सिर्फ आरक्षण पर्याप्त नहीं होगा।

यह सुनिश्चित करना होगा कि आरक्षण सांकेतिक न रहे, बल्कि उसके माध्यम से वाशतविक और प्रभावी नेतृत्व उभर कर सामने आए। इसके लिए उन्हें प्रशिक्षण, संसाधन और एक सुरक्षित सार्वजनिक वातावरण प्रदान करना होगा। समाज को यह समझने की आवश्यकता है कि महिलाओं का नेतृत्व महिलाओं के लिए नहीं, पूरे समाज के विकास के लिए जरूरी है। जिन क्षेत्रों में महिलाओं को नेतृत्व का अवसर मिला है, वहाँ निर्णय प्रक्रिया अधिक समावेशी, दीर्घकालिक और मानवीय दृष्टिकोण वाली रही है। महिलाओं की शिक्षा में हो रही प्रगति सराहनीय है, लेकिन यह तब तक अधूरी है जब तक वह नेतृत्व की ऊँचाइयों तक न पहुंचे।

जब एक शिक्षित लड़की केवल एक नौकरी ही नहीं, बल्कि एक संस्था, एक आंदोलन, या एक नीति का नेतृत्व करती है, तभी हम कह सकते हैं कि शिक्षा ने अपना उद्देश्य पूरा किया है। समाज को यह स्वीकारना होगा कि नेतृत्व कोई जन्मगत विशेषाधिकार नहीं, अर्जित किया गया दायित्व है और जब तक महिलाओं को इस दायित्व को निभाने का पूरा अवसर नहीं मिलेगा, तब तक हम एक सशक्त, समावेशी और प्रगतिशील राष्ट्र नहीं बन सकते। अतः यह समय केवल आंकड़ों की तालिका सजाने का नहीं, उन आंकड़ों को जीने और बदलने का है। यह समय है कि हम लड़कियों की शिक्षा से आगे बढ़कर उन्हें नेतृत्व के मंच तक पहुँचाएं। क्योंकि जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो समाज भी आगे बढ़ता है।

वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध पुन: गढ़े जा रहे झूठे विमर्श

प्रहलाद सबनानी

वैश्विक श्तर पर आर्थिक जगत में भारत का उदय कुछ देशों को रास नहीं आ रहा है। विकसित देशों के बीच पूरे विश्व में भारत आज सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। जापान, ब्रिटेन, फ्रांन्स, इटली आदि देशों से आगे निकलते हुए भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और शीघ्र ही लगभग एक वर्ष के बाद जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए भारत के विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के आसार भी अब स्पष्टतः दिखाई दे रहे हैं।

भारत एक ओर अतिआधुनिक तकनीकि के आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स एवं डाटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में पूरे विश्व का नेतृत्व करता हुआ दिखाई दे रहा है तो दूसरी ओर वित्तीय क्षेत्र में ऑनलाइन व्यवहारों के मामले में भी भारत आज कई देशों का मार्गदर्शन करता हुआ दिखाई दे रहा है।

कुल मिलाकर भारत आज लगभग प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनते हुए विश्व के अन्य देशों पर अपनी निर्भरता को कम करता जा रहा है। भारत के विकास की यह गति एवं राह कुछ देशों को बिलकुल उचित नहीं लग रही है एवं वे वैमनस्य का भाव पालते हुए भारत के विरुद्ध एक बार पुनः कुछ झूठे विमर्श गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं।

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2, 730 अमेरिकी डॉलर के श्तर पर पहुंच गया है, जबकि बांग्लादेश में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2, 870 अमेरिकी डॉलर है। इस प्रकार, भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में बांग्लादेश जैसे छोटे देश से भी पीछे है।

अतः यह झूठा विमर्श गढ़ने का प्रयास किया जा रहा है भारत में किस प्रकार का आर्थिक विकास हो रहा है जिससे भारतीय नागरिकों की आय तो उतनी तेजी से नहीं बढ़ पा रही है, जिस तेजी से भारत का आर्थिक विकास होता हुआ दिखाई दे रहा है। आंकड़ों का उचित तरीके से विश्लेषण न करते हुए भारत के संदर्भ में गलत जानकारी देने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है।

यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि किसी भी मामले में तुलना दो आमों के बीच ही सम्भव है आम एवं संतरे के बीच तुलना कैसे सम्भव है। भारत की जनसंख्या 140 करोड़ है, जबकि बांग्लादेश की जनसंख्या केवल 17 करोड़ से कुछ ही अधिक है। भारत एक विशाल देश है जिसमें 60 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या आज भी गावों में निवास करती है। भारत में 28 राज्य एवं 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं। बांग्लादेश, भारत के सामने एक पिद्दी सा देश है। यदि तुलना करनी ही हो तो भारत की तुलना चीन से की जा सकती है।

इसी प्रकार, बांग्लादेश की तुलना स्विट्जरलैंड, नीदरलैण्ड, स्वीडन आदि जैसे छोटे देशों से की जा सकती है। स्विट्जरलैंड में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 99, 564 अमेरिकी डॉलर; नीदरलैण्ड में 64, 572 अमेरिकी डॉलर एवं स्वीडन में 55, 516 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति है। ब्रिटेन ने जब भारत में अपनी सत्ता को छोड़ा था अर्थात भारत ने वर्ष 1947 में जब राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त की थी तब भारत की 70 प्रतिशत से अधिक आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही थी, परंतु आज केवल 4 से 4.5 प्रतिशत भारतीय ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं।

जबकि, बांग्लादेश में लगभग 19 प्रतिशत नागरिक गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर हैं। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार आज 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है जबकि बांग्लादेश के सकल घरेलू उत्पाद का आकार केवल लगभग 46, 700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। सकल घरेलू उत्पाद को देश की कुल जनसंख्या से बांट कर ही प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े को प्राप्त किया जा सकता है।

भारत की जनसंख्या 140 करोड़ से अधिक है जबकि बांग्लादेश की जनसंख्या मात्र 17 करोड़ है। इससे प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का आंकड़ा बांग्लादेश की तुलना में कुछ कम हो जाता है। भारत में पिछले कुछ वर्षों के दौरान बहुत संतुलित विकास हुआ है। भारत में न केवल धनाडयों की संख्या में अपार वृद्धि दर्ज हुई हे बल्कि गरीबी उन्मूलन पर भी पर्याप्त ध्यान दिया गया है जिससे गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में भी अतुलनीय कमी दर्ज हुई है।

बांग्लादेश की तुलना में भारत एक विशाल देश है एवं भारत के कई राज्यों यथा महाराष्ट्र, गुजरात एवं तमिलनाडु आदि का प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बांग्लादेश की तुलना में दुगने से तिगुने आकार का है।

इसी प्रकार, भारत के राज्य अभी भी कुछ पिछड़े राज्यों की श्रेणी में शामिल है, जैसे, बिहार, झारखंड आदि। परंतु किसी भी देश के प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का औसत निकालते समय देश के समश्त राज्यों के आंकड़ों को शामिल करना होता है। इस कारण से भी भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का औसत कुछ कम हो जाता है।

हाल ही के समय में एक और कुतर्क दिया जा रहा है कि भारत में तेज गति से हो रही आर्थिक प्रगति के बीच भी बच्चों की जन्म-मृत्यु की दर अफ्रीकी देशों के समान बनी हुई है। इस प्रकार का झूठा विमर्श गढ़ते समय संभवतः वाशतविक स्थिति की ओर ध्यान ही नहीं दिया गया है। रजिस्ट्रार जनरल आफ इंडिया की एसआरएस रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 1, 000 शिशुओं के जन्म के बीच शिशुओं की जन्म-मृत्यु दर केवल 26 है। जबकि अफ्रीकी देशों यथा नाईजीरिया में 67, कांगो में 62 एवं ईथियोपिया में 34 है। इन सभी अफ्रीकी देशों की तुलना में भारत में शिशुओं की जन्म-मृत्यु दर कम है।

अतः भारत अब अफ्रीकी देशों से इस मामले में बहुत आगे निकल आया है। हां, इस संदर्भ में भारत की तुलना यदि विकसित देशों से की जाएगी यथा अमेरिका में 5 एवं जापान में 2, तब जरूर भारत में इस स्थिति को अभी और अधिक सुधारने की आवश्यकता है, जिसके लिए केंद्र सरकार लगातार प्रयास कर रही है।

विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं का विश्तार बहुत तेज गति से किया जा रहा है। जिला श्तर पर मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की जा रही है।

भारत में इस संदर्भ में क्षेत्रीय विषमता भी दिखाई देती है। जैसे, केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली जैसे विकसित राज्यों में शिशुओं के जन्म के बीच जन्म-मृत्यु दर 10-15 के बीच ही है, जबकि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं बिहार जैसे राज्यों में यह 40-50 के बीच बनी हुई है। हालांकि धीमे धीमे इन राज्यों में भी तेजी से सुधार दृष्टिगोचर है। देश में संस्थागत प्रसव की दर में सुधार हुआ है, परंतु जननी सुरक्षा, पोषण एवं टीकाकरण के क्षेत्रों में विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में अभी भी प्रयासों को गति दी जा रही है।

इसी प्रकार, ग्रामीण इलाकों में अति पिछड़े परिवारों (विशेष रूप से अनुसूचित जनजाति के क्षेत्रो में) के बीच गंदे पानी का उपयोग, कुपोषण, प्रसव के पूर्व की देखभाल में कमी के चलते शिशुओं के जन्म के बीच जन्म-मृत्यु दर को अभी और कम किया जाना शेष है।

भारत में हालांकि स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से सुधार हुआ है, पर कुछ राज्यों पर अभी भी विशेष ध्यान केंद्रित कर एक भारत श्रेष्ठ भारत नीति से स्वास्थ्य सेवाओं को संतुलित किया जा रहा है।

एक तीसरा झूठा विमर्श और खड़ा किया जा रहा है कि जब भारत आर्थिक प्रगति के पथ पर तेज गति से दौड़ रहा है तो फिर 80 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज क्यों उपलब्ध कराया जा रहा है? तथ्यात्मक रूप से यह सही है कि भारत में "प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना" के अंतर्गत भारत में केंद्र सरकार द्वारा देश के 80 करोड़ नागरिकों को 5 किलो मुफ्त राशन प्रति माह उपलब्ध कराया जा रहा है। दरअसल, भारत में अभी भी गरीबी पूर्ण रूप से समाप्त नहीं हुई है।

सरकार का यह परम कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों को पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्ध करवाए। कोरोना महामारी के खंडकाल में देश के नागरिकों पर आई प्राकृतिक आपदा के चलते करोड़ों की संख्या में नागरिकों ने अपने रोजगार खोए थे तथा इस गम्भीर समय में केंद्र सरकार ने अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए देश के गरीब नागरिकों को उक्त योजना के अंतर्गत खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना प्रारम्भ किया था, जो आज भी जारी है।

दरअसल इसी योजना के चलते भारत में आज लाखों परिवार गरीबी रेखा से ऊपर उठकर मध्यम श्रेणी परिवार की श्रेणी में शामिल हो गए हैं एवं देश के आर्थिक विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। कोरोना महामारी के खंडकाल में मंहगाई एवं बेरोजगारी के दौर में देश के नागरिकों को आजीविका की गारंटी देना आवश्यक था।

जब तक देश के समश्त परिवार आत्मनिर्भर नहीं जो जाते तब तक इसे एक "ट्रैंजीशनल सिक्यूरिटी नेट" माना जा सकता है। हां, आगे आने वाले 3-5 वर्षों के दौरान इस योजना के अंतर्गत शामिल नागरिकों की संख्या को कम जरूर किया जाना चाहिए क्योंकि जो परिवार अब गरीबी रेखा से ऊपर उठकर मध्यम श्रेणी परिवार की श्रेणी में शामिल हो गए है, ऐसे परिवारों को उक्त योजना का लाभ अब बंद किया जाना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

गर्मी से झुलसी नींद, मन ने महसूस की जलन, सोने के घंटे हुए आधे, लोगों में बढ़ा अवसाद और माइग्रेन

केस-1

आजादनगर के रहने वाले विनोद चौधरी (52) को रात में नींद आ रही है। सिर और पेट दर्द रहता है। आंखों से धुंधला दिखता है और भारीपन रहता है। उमस से उलझन रहती है। बीच में आंख लगती है, फिर टूट जाती है। बुधवार को उन्होंने तीन ओपीडी में दिखाया। डॉक्टरों ने दवा के साथ योग करने की भी सलाह दी।

केस-2

पनकी के रामअवतार (45) का मेडिसिन और मनोरोग विभाग में इलाज चल रहा है। वह इरिटेबिल बॉवेल सिंड्रोम के रोगी हैं। दो सप्ताह से उन्हें नींद नहीं आ रही थी। उनके आंतों के संचलन में समस्या हो गई, कब्ज भी रहता है। बुधवार को उन्होंने मेडिसिन और मनोरोग की ओपीडी में दिखाया। उन्हें योग करने, अधिक पानी पीने और सकारात्मक रहने की सलाह दी गई।

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में उमस भरी गर्मी में लोगों की नींद के घंटे आधे हो गए हैं। नींद न आने पर लोग मोबाइल देखने लगते हैं जिससे पूरी रात बिना सोए गुजर रही है। इससे निद्रा चक्र टूट रहा है। रोगियों का ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, थायरॉयड अनियंत्रित हो रहा है। सिरदर्द, माइग्रेन, आंखों में भारीपन, चक्कर, एंजाइटी और अवसाद भी बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि निद्रा चक्र नियंत्रित करने वाला न्यूरो केमिकल का रिसाव प्रभावित हो गया है।

हैलट के सैंपल सर्वे में 200 रोगियों की हिस्ट्री ली गई। रात में इनकी नींद के घंटे सामान्य सात-आठ घंटे के स्थान पर साढ़े तीन से चार घंटे ही मिले हैं। इसका दुष्प्रभाव इन रोगियों में आ गया। दवा से नियंत्रित चल रहा ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर अनियंत्रित हो गया। रोगियों के लिए अवसाद, एंजाइटी की दवाएं भी बढ़ानी पड़ गईं। रोगियों की शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

शरीर के मेटाबोलिज्म पर प्रतिकूल प्रभाव

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के मनोरोग विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर डॉ. धनंजय चौधरी ने बताया कि नींद न आने पर लोग मोबाइल देखने लगते हैं। इससे और बुरा असर होता है। लगातार यह रूटीन रखने पर निद्रा चक्र टूट जाता है। इसका शरीर के मेटाबोलिज्म पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इससे तनाव बढ़ जाता है। मेलाटोनिन न्यूरो ट्रांसमीटर का रिसाव कम हो जाता है।

नींद टूटने पर दोबारा नहीं आती

यह नींद को नियंत्रित करता है। मल्टी सुपर स्पेशियलिटी के इंडोक्रोनोलॉजी क्लीनिक प्रभारी सीनियर फिजीशियन डॉ. विशाल कुमार गुप्ता ने बताया कि रोगी अनियंत्रित बीपी और ब्लड शुगर के साथ आ रहे हैं। उनकी पूरी हिस्ट्री ली जा रही है। लोगों की नींद बाधित होने के मुख्य कारणों में गर्मी के अलावा बिजली संकट भी मिला। नींद टूटने पर दोबारा नहीं आती और लोग मोबाइल देखने लगते हैं।

स्क्रीन लाइट प्रभावित करती मस्तिष्क का ब्लू स्पॉट

मोबाइल स्क्रीन से निकलने वाली रोशनी मस्तिष्क के ब्लू स्पॉट को प्रभावित करती है। ब्लू स्पॉट मस्तिष्क के लोकस सीरुलियस स्थान पर होता है। साथ ही मेलाटोनिन न्यूरो ट्रांसमीटर का रिसाव कम हो जाता है। न्यूरो टॉक्सिंस बनते हैं जिनसे निद्रा चक्र टूटता है। ब्लू स्पॉट तनाव, चैतन्यता, जागने के लिए जिम्मेदार होता है।

संक्षिप्त समाचार

कार्रवाई के लिए चार घंटे शव रख किया हंगामा, चार थानों की पुलिस-पीएसी पहुंची

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ में थाना लोधा क्षेत्र के गांव बरौठ-छजमल में 16 जून को हुई मारपीट के दौरान सिर में गंभीर चोट लगने से वृद्ध की मौत हो गई। 17 जून को पोस्टमार्टम के बाद कार्रवाई की मांग को लेकर परिजनों ने शव को चार घंटे तक घर पर रखकर हंगामा किया। सूचना पर चार थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। मामले में इंडस्ट्रीज मालिक समेत सात लोगों पर मुकदमा दर्ज होने के बाद ही परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार किया। सीओ गभाना संजीव तोमर ने बताया कि गांव बरौठ-छजमल के पास हिमांशु गर्ग की मिल्को फूड इंडस्ट्रीज है। इसके में ही पांच दुकानें बनी हुई हैं। इन्हीं दुकानों पर थाना बन्नादेवी क्षेत्र के गुलशन पार्क कॉलोनी निवासी इंडस्ट्रीज के मालिक हिमांशु गर्ग और गांव के ही सचिन शर्मा के बीच स्वामित्व को लेकर पुराना विवाद चला आ रहा है। इंडस्ट्रीज के मलिक हिमांशु गर्ग का कहना है कि उन्होंने जमीन का बैनामा कराकर ही दुकानें बनवाई हैं। जबकि सचिन का आरोप है कि यह दुकानें उनकी हैं। इसका वाद कोर्ट में विचाराधीन है। इसी विवाद को लेकर सोमवार को दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। झगड़े की सूचना पर पहुंची पुलिस को देखकर दोनों पक्ष भाग गए। पुलिस ने सचिन शर्मा के खिलाफ शांति भंग में कार्रवाई कर दी। इस बीच मारपीट में सिर में चोट लगने से घायल हुए सचिन के बाबा बनवारी लाल (62) की मौत हो गई।

इंडस्ट्रीज मालिक समेत सात पर मुकदमा दर्ज- पुलिस ने 16 जून को बनवारी लाल का शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। परिजन शव को घर तो ले आए, लेकिन वे अंतिम संस्कार से पहले मुकदमा व आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़ गए। अनहोनी की आशंका पर गांव में लोधा, गभाना, चंडौस समेत चार थानों का पुलिस फोर्स व पीएसी आ गई। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर जांच-पड़ताल की। सीओ संजीव तोमर ने बताया कि मामले में सचिन शर्मा की तहरीर पर इंडस्ट्रीज के मालिक हिमांशु गर्ग, मयंक, मोनू उर्फ मोहित गर्ग, चंद्रप्रकाश गर्ग समेत तीन-चार अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। गांव में एहतियातन पुलिस फोर्स को तैनात कर दिया गया है। मामले में जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

हरिद्वार में युवती से छेड़छाड़: पकड़े गए तो आरोपी कान पकड़कर बोले- सभी महिलाएं माताएं-बहनें

मेरठ/ हरिद्वार , एजेंसी। हरिद्वार में महिला बाइकर्स से छेड़छाड़ और स्टंट करने वाले तीन आरोपियों ने पुलिस सख्ती के बाद थाने में कान पकड़कर बोले- सभी महिलाएं हमारी माताएं-बहनें है। हमें माफ कर दीजिए, दोबारा ऐसा कभी नहीं होगा।

पहले छेड़खानी और स्टंट करने के बाद माफी मांगते हुए आरोपियों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस मामले में डीआईजी कलानिधि नैथानी ने कहा कि गुंडागर्दी करने वालों को बख्शेंगे नहीं। शरारती तत्वों पर निगरानी के लिए हाईवे पर सीसीटीवी लगाने के निर्देश पुलिस को दिए गए हैं। दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। एसपी सिटी आयुष विक्रम ने बताया कि शनिवार रात हरिद्वार के मंगलौर थानाक्षेत्र के नारसन के पास महिला बाइकर्स जा रही थीं। उनसे आगे चल रही ईको कार सवार युवक बिना कपड़े ही महिला बाइकर्स पर अश्लील टिप्पणी कर रहे थे। स्टंटबाजी करते हुए उन्होंने बार-बार परेशान किया।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो उत्तराखंड पुलिस ने गाड़ी नंबर के आधार पर मेरठ पुलिस से संपर्क साधा। डीआईजी मेरठ रेंज के निर्देश पर पल्लवपुरम थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया। गाड़ी मालिक पल्लवपुरम फेज दो डबल स्टोरी निवासी देवेंद्र, राहुल और सोफीपुर निवासी निखिल को पल्लवपुरम फेज दो स्थित बिजलीघर के पास से पकड़ लिया। टीपीनगर निवासी अक्षय और सिवाया निवासी प्रवेश अभी हाथ नहीं आए हैं। वहीं, पुलिस की सख्ती के बाद पकड़े गए आरोपियों ने थाने में कान पकड़कर कहा-सभी महिलाएं हमारी माताएं-बहनें है।

समय पर पहुंचने में प्रयागराज पुलिस सूबे में 74वें नंबर पर, उठ रहे सवाल

प्रयागराज , एजेंसी। अपराध नियंत्रण और त्वरित कार्रवाई के दावों के बीच प्रयागराज पुलिस की प्राथमिक प्रतिक्रिया प्रणाली की हकीकत एक बार फिर सामने आई है। डायल 112 के रिस्पांस टाइम के मई के आंकड़ों में जनपदीय पुलिस की स्थिति संतोषजनक नहीं है। अपराध या आपात घटनाओं की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचने में जिले के प्राइमरी रिस्पांस व्हीकल (पीआरवी) औसतन 11:58 मिनट का समय ले रहे हैं। इस वजह से प्रदेश में जनपद 74वें पायदान पर है।

उत्तर प्रदेश पुलिस की डायल 112 सेवा के मासिक प्रदर्शन मूल्यांकन में यह जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, गाजियाबाद, नोएडा और हरदोई ऐसे जिले हैं जहां अपराध की सूचना मिलते ही पुलिस सबसे तेजी से घटनास्थल पर पहुंच रही है। इनमें गाजियाबाद अव्वल है जहां औसतन 3.34 मिनट में डायल 112 की पीआरवी मौके पर पहुंच रही है।

डायल 112 सेवा का उद्देश्य आपातकालीन स्थितियों में लोगों को त्वरित सहायता देना है। प्रयागराज जैसे बड़े और संवेदनशील जिले का इस रैंकिंग में 74वां स्थान पर होना सवाल खड़े करता है। रिटायर आईजी लालजी शुक्ला का कहना है कि यह न केवल पुलिस की चुस्ती पर सवाल है, बल्कि आम जनता की सुरक्षा और भरोसे पर भी असर डालता है। घटनाओं के आधार पर स्ट्रैटजिक लोकेशन प्वाइंट चिह्नित करने होंगे, जहां से हर दिशा में पहुंचना आसान और सहज हो।

कंडम हो गई 18 गाड़ियां, भौगोलिक स्थितियां भी बाधा- पुलिस अफसर इसका कारण गाड़ियों की कमी और भौगोलिक स्थितियों को बताते हैं। प्रभारी 112 एडीसीपी कुलदीप सिंह बताते हैं कि वर्तमान में जनपदीय डायल 112 की 18 गाड़ियां कंडम हो चुकी हैं। इससे रिस्पांस टाइम बढ़ा है। इसके अलावा भौगोलिक दृष्टि से प्रयागराज का क्षेत्र काफी विस्तारित है।

दूल्हे का कत्ल: गुलफशां से बेइंतहा प्यार करता था फिर भी वो..., प्रेमी सद्दाम ने बताया निहाल की हत्या का कारण

रामपुर, एजेंसी। यूपी के रामपुर में शादी से एक दिन पहले दूल्हे को मौत के घाट उतारने वाला दुल्हन का प्रेमी सद्दाम मुठभेड़ में दबोच लिया गया है। पुलिस का कहना है कि हिरासत में लेने के बाद सद्दाम हेड कांस्टेबल की पिस्टल छीनकर भाग रहा था। मुठभेड़ के दौरान सद्दाम के पैर में गोली लगी है।

सीओ सिटी जितेंद्र सिंह के मुताबिक सद्दाम को सोमवार रात ही हिरासत में ले लिया था। हत्या में इस्तेमाल सामान बरामद करने के लिए उसे देर रात मौका-ए-वारदात पर ले जाया जा रहा था। तभी उसने एक हेड कांस्टेबल की पिस्टल छीनकर दौड़ लगा दी। पीछा करने पर फायरिंग शुरू कर दी।

पुलिस ने गोली चलाते हुए घेराबंदी की। एक गोली पैर में लगने से सद्दाम पकड़ में आ गया। गिरफ्तारी के बाद उसका इलाज कराया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि गांव धनुपुरा निवासी सद्दाम और उसके साथी फरमान ने गूजर टोली निवासी निहाल की हत्या कर दी थी। सद्दाम उस लड़की से प्यार करता था, जिससे निहाल की शादी होनी थी।

बरात जाने से एक दिन पहले सद्दाम दुल्हन का चचेरा भाई बताकर निहाल के करीब तक पहुंचा था। उसे अगवा करने के बाद मार डाला था। निहाल के परिजनों ने आरोप लगाया था कि होने वाली दुल्हन भी इस साजिश में शामिल थी। पुलिस ने हत्या में उसे भी नामजद किया है। दूसरे हत्यारोपी फरमान को सोमवार को ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

सद्दाम बोला, गुलफशां से प्यार करता था फिर भी कर रही थी निकाह- निहाल की हत्या के मुख्य हत्यारोपी सद्दाम से पुलिस की पूछताछ में यह बात

सामने आई है कि दोनों एक दूसरे से प्यार करते थे। सद्दाम ने पुलिस को बताया है कि उसके और गुलफशां के बीच अफेयर चल रहा था। उसने गुलफशां से शादी की इच्छा भी जताई थी, लेकिन गुलफशां के परिजनों ने उसका निकाह निहाल से तय कर दिया।

बताया कि जब निकाह की जानकारी हुई तो उसे काफी गुस्सा आया। वह गुलफशां से बेइंतहा प्यार करता था, इसके बाद भी वह निकाह कर रही थी। उसे यह बात अच्छी नहीं लगी। इसलिए निहाल को रास्ते से हटाने का फैसला लिया। सीओ सिटी जितेंद्र सिंह ने बताया कि सद्दाम के बयान को दर्ज कर लिया गया है। पुलिस इस प्रकरण की जांच में जुटी हुई है।

निहाल के परिजन बोले: हमें इंसाफ चाहिए, आरोपियों को फांसी दो- गूजर टोला स्थित फकीरो वाली मसजिद निवासी निहाल की हत्या उसकी शादी से महज एक दिन पहले कर दी गई। परिवार के लोग सदमे में हैं। परिजन के अरमानों पर पानी फिर गया। परिजनों ने गमगीन माहौल में सोमवार की देर रात सुपुर्द ए खाक कर दिया। निहाल के भाई नायब का कहना है कि हमें कुछ नहीं चाहिए। हमें बस इंसाफ चाहिए। आरोपियों को फांसी की सजा होनी चाहिए। हमने उनका क्या बिगाड़ा था जो हमें इतनी बढ़ी सजा मिली है। उन्होंने मामले में हत्या की साजिश रचने वाली गुलफशां की भी गिरफ्तारी की मांग की।

गोरखपुर-पानीपत एक्सप्रेस-वे : तीसरा सर्वे भी पूरा..एलाइनमेंट के बाद तय होगा रूट- 22 जिलों से होकर गुजरेगा

गोरखपुर , एजेंसी। गोरखपुर-शामली-पानीपत एक्सप्रेस-वे निर्माण के लिए हो रहा तीसरा सर्वे भी पूरा हो गया है। अब 22 जिलों का एलाइनमेंट सर्वेक्षण चल रहा है। तीनों सर्वे की अलग-अलग डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कराई जाएगी, ताकि यह पता चल सके कि कितने पुल, ओवरब्रिज और फ्लाईओवर की जरूरत होगी। इनमें से एक को अंतिम रूप दिया जाएगा। अभी यह कार्य पूरा होने में तीन महीने का समय लग सकता है। गोरखपुर-पानीपत एक्सप्रेस के सर्वे की जिम्मेदारी एनएचएआई, रायबरेली को दी गई थी लेकिन अब यह योजना अयोध्या को दे दी गई है। वहीं, गोरखपुर-पानीपत एक्सप्रेस-वे पहले शामली तक बनने वाला था लेकिन बाद में इसे पानीपत तक विस्तार दे दिया गया है। नए सिरे से एलाइनमेंट सर्वेक्षण के पूरा होने के बाद रूट का निर्धारण तय हो पाएगा।

प्रस्ताव के मुताबिक, इस एक्सप्रेस-

वे का निर्माण दो चरण में कराने की तैयारी है। पहले चरण में पानीपत-शामली से पुवायां तक करीब 450 किमी और दूसरे भाग में पुवायां से गोरखपुर के बीच करीब 300 किमी दूरी में निर्माण होगा। इस एक्सप्रेस-वे के बनने से यूपी का पूर्वी और पश्चिमी हिस्सा सीधे जुड़ जाएगा। सात से आठ घंटे में गोरखपुर से शामली पहुंच जाएंगे। पहले हुए दो सर्वे में गोरखपुर से बस्ती, गोंडा, सीतापुर रूट था लेकिन अब नए सिरे से इसका निर्धारण हो रहा है। अब इस एक्सप्रेस-वे के नेपाल की सीमा से सटे जिलों से होकर लखनऊ, सीतापुर, बरेली और मेरठ होते हुए शामली तक जाने की उम्मीद बढ़ गई है। एनएचएआई के अधिकारियों के मुताबिक, एलाइनमेंट सर्वेक्षण का काम जल्द पूरा हो जाएगा। इसके बाद डीपीआर तैयार कर शासन को भेजी जाएगी।

गोरखपुर में भी हो रहा एलाइनमेंट सर्वे

गोरखपुर-पानीपत एक्सप्रेस-वे के निर्माण के लिए गोरखपुर में भी एलाइनमेंट सर्वेक्षण हो रहा है। कुल 50 गांवों से होकर सड़क के गुजरने की संभावना है। इसके लिए एनएचएआई ने जिला प्रशासन से भू-राजस्व अभिलेख मांगा है।

इन जिलों को जोड़ेगा एक्सप्रेसवे

पानीपत, शामली, मुजफ्फरनगर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बस्ती, गोरखपुर।

पीलीभीत में सपा कार्यालय खाली कराने पर हंगामा-धक्कामुक्की, जिलाध्यक्ष समेत 15 पदाधिकारी हिरासत में

पीलीभीत , एजेंसी। पीलीभीत में नगर पालिका ईओ के आवास में संचालित समाजवादी पार्टी (सपा) के जिला कार्यालय को खाली कराने की प्रक्रिया बुधवार सुबह करीब 10 बजे शुरू हुई। सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, ईओ संजीव कुमार समेत अन्य अफसर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। सपा कार्यालय से सटे एक अन्य कमरे का ताला तोड़ा गया। इसकी जानकारी मिलते ही सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा समेत तमाम नेता और कार्यकर्ता भी पहुंच गए।

कार्रवाई को लेकर सपा जिलाध्यक्ष की अफसरों से बहस भी हुई। इस दौरान पुलिस ने सपा जिलाध्यक्ष को धक्का देकर हटा दिया। इस दौरान हंगामा भी हुआ। इसके बाद सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा समेत 15 पदाधिकारियों को हिरासत में लेकर पुलिस लाइन ले जाया गया। नगर पालिका ने भवन पर कब्जा लेकर अपना ताला डाल दिया।

वर्ष 2006 में सपा कार्यालय के लिए आवंटित हुआ था भवन- शहर के नकटादाना चौराहा पर नगर पालिका के ईओ का आवास है। वर्ष 2006 में पालिका की ओर से इस आवासीय भवन को समाजवादी पार्टी के कार्यालय के लिए आवंटित किया गया था। बताया जा रहा है कि वर्ष 2020 में आवंटन का कार्यकाल समाप्त हो गया, लेकिन इसके बाद भी कार्यालय संचालित किया जाता रहा। एक माह पूर्व कार्यालय को खाली कराने को लेकर पालिका प्रशासन की ओर से कवायद शुरू की गई थी। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी संजीव कुमार की ओर से सपा कार्यालय के बाहर नोटिस चस्पा कर 10 जून को कार्यालय खाली कराने की बात कही गई थी। ईओ की ओर से एसपी, सिटी मजिस्ट्रेट समेत अफसरों को पत्र लिखकर सहयोग मांगा गया था। इस पर बीते मंगलवार को सपा कार्यालय खाली कराने की कार्रवाई शुरू हुई थी।

नगर पालिका ने भवन पर लिया कब्जा

प्रशासन की ओर से दिया समय पूरा होने पर बुधवार सुबह सपा कार्यालय को खाली कराने की कार्रवाई शुरू की गई। अफसर पुलिस फोर्स के साथ सपा कार्यालय पहुंचे। कार्यालय खाली कराने की प्रक्रिया शुरू कराई। इसकी जानकारी मिलते ही सपा जिलाध्यक्ष समेत तमाम कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। अफसरों की मौजूदगी में कार्यालय का ताला खोला गया। इसके बाद नगर पालिका ने भवन पर कब्जा लेकर अपना ताला लगा दिया।

हर सोमवार को इस क्षेत्र में रहेगा नो व्हीकल जोन, भक्तों के लिए लगेंगे कूलर; पहाड़ पर बैठेंगे शिव

वाराणसी , एजेंसी। सावन में श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में शिव भक्तों के सुगम दर्शन और सुरक्षा के लिए मंदिर प्रशासन प्रतिबद्ध है। धाम में चाक-चौबंद व्यवस्था रहेगी। सावन के हर सोमवार को मैदागिन से गोदौलिया नो व्हीकल जोन रहेगा। वहीं, सावन भर वृद्ध-दिव्यांगजनों के लिए ई-रिक्शा की व्यवस्था रहेगी। सावन 11 जुलाई से शुरू हो रहा है। इसे लेकर मंदिर प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। श्री काशी विश्वनाथ न्यास के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विश्वभूषण मिश्र ने बताया कि बैठक कर निर्णय लिया गया कि सावन के हर सोमवार को गोदौलिया से मैदागिन नो व्हीकल जोन रहेगा।

गोदौलिया से गेट नंबर चार और मैदागिन से गेट नंबर चार तक धाम में दर्शन के लिए आने वाले विशिष्ट, अतिविशिष्ट, वृद्ध, दिव्यांगजन और अशक्त दर्शनार्थियों के लिए ई-रिक्शा का संचालन होगा। उन्होंने बताया कि दर्शनार्थियों की सुविधा और बेहतर बनाने के लिए जगह-जगह एलईडी टीवी लगाकर

गर्भगृह के दर्शन-पूजन का सजीव प्रसारण होगा। धाम में खोया-पाया केंद्र बनेगा। बहुभाषी कर्मियों की भी व्यवस्था होगी। चिकित्सकीय कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। धाम में शीतल और शुद्ध पेयजल के साथ ही वाटर कूलर की भी व्यवस्था रहेगी।

धाम में होगी जिग-जैग बैरिकेडिंग- संपूर्ण धाम क्षेत्र को सीसी कैमरे से लैस करते हुए कंट्रोल रूम स्थापित होगा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा समेत सभी व्यवस्थाओं पर बारीकी से नजर रखी जाएगी। धाम के अंदर जिग-जैग बैरिकेडिंग होगी, ताकि अतिरिक्त भीड़ को काबू में रखा जा सके। बारिश, धूप और गर्मी से बचाव के लिए शेड बनाए जाएंगे। सावन नौ अगस्त तक रहेगा।

पहाड़ पर विराजेंगे भगवान शिव 10 फीट की होगी प्रतिमा- काशी के कण-कण में शंकर हैं। सावन में शहर व गांव के हर शिवालयों में अभिषेक और दर्शन-पूजन के लिए भीड़ होती है। इस बार सावन में राहगीरों को सड़क किनारे भगवान शिव की प्रतिमा के दर्शन करने को मिलेंगे। दुर्गाकुंड-लंका मार्ग पर भगवान शिव पहाड़ पर बैठे दिखेंगे। उनकी 10 फीट की प्रतिमा लगाई जाएगी।

इसमें हरिद्वार के गंगोत्री में बनी प्रतिमा की झलक दिखेगी। मूर्तिकार अभिजीत विश्वास के नेतृत्व में तीन कलाकार इस प्रतिमा का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 50 फीसदी से अधिक काम हो चुका है। सावन के पहले तैयार हो जाएगी। यह प्रतिमा 10 फीट ऊंची और आठ फीट चौड़ी है।

पहाड़ पर प्रतिमा बैठाई जाएगी। भगवान शिव ध्यान मुद्रा में होंगे। उनके सिर पर मां गंगा विराजमान होंगी और गंगाजल प्रवाहित होते दिखेगा। इस प्रतिमा

दिग्गज प्लेयर 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी से हुआ प्रभावित

अब तक का सबसे अच्छा खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 सीजन में 14 साल की उम्र में कदम रखते हुए हैरान कर दिया और इसके बाद सबसे तेज शतक लगाकर बड़े-बड़े खिलाड़ियों को अपने कोशल से मुरीद बना लिया। सूर्यवंशी ने 206 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से सिर्फ सात पारियों में 252 रन बनाए। जिसमें गुजरात टाइटन्स (जीटी) के खिलाफ 35 गेंदों में शतक भी शामिल था। सूर्यवंशी की इस प्रतिभा से इंग्लैंड के दिग्गज खिलाड़ी जोस बटलर प्रभावित हुए हैं जोकि उस दिन गुजरात के विकेटकीपर थे।

बटलर ने स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ पॉडकास्ट पर बात करते हुए कहा, हमारे खिलाफ 35 गेंदों में शतक जड़ने वाली पारी बहुत ही शानदार थी। हमारी (जीटी) गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज, शानदार अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज, प्रसिद्ध कृष्णा, अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज, राशिद खान, सर्वश्रेष्ठ टी20 गेंदबाज शामिल हैं और उन्होंने (सूर्यवंशी) बड़े छक्के लगाए। उन्होंने कुछ मैचों के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एक पारी खेली, मैं टीवी पर देख रहा था। ष्टस्य के पास आर अश्विन और रवींद्र जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं, लेकिन सूर्यवंशी ने धमाकेदार पारी खेली! और फिर उन्होंने एक शॉट कवर पर मारा, जैसे मैं इतना नियंत्रण में हूं, मैं बस एक शॉट खेलूंगा। उस पल, मुझे लगा कि यह खिलाड़ी अब तक का सबसे अच्छा खिलाड़ी है। मैं बहुत हैरान था। बटलर ने कहा, वास्तव में उन्होंने आईपीएल में अपनी पहली गेंद पर छक्का मारा। उन्होंने खुद को थोड़ी जगह दी और गेंद को लॉन्ग ऑफ के ऊपर से छक्का जड़ दिया। उनमें निडरता थी। बहुत सारे शानदार खिलाड़ी हैं, वे लगभग एक बयान देना चाहते हैं, जैसे कि मुझे देखो। हमें उनसे यह पूछने की कोशिश करनी होगी कि ऐसा होने से कितने समय पहले आपने सोचा था कि मैं अपनी पहली गेंद पर छक्का मारने की कोशिश करूंगा। क्योंकि यह एक पूर्व-निर्धारित शॉट था। उन्होंने इसकी तलाश की। लोगों ने उन्हें इस अद्भुत बल्ले के साथ देखा है। यह युवराज सिंह या ब्रायन लारा की तरह एक बड़ा बयान है। गौर हो कि सूर्यवंशी को इंग्लैंड में आगामी टेस्ट सीरीज के लिए चुना गया है और यदि उन्हें मौका मिलता है तो उनके प्रदर्शन पर सभी की नजर होगी।

भारत 2026 महिला टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका के साथ एक ग्रुप में

नई दिल्ली, एजेंसी । भारत को 2026 महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप 1 में पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और दो अज्ञात क्वालीफाइंग टीमों के साथ रखा गया है, जो 12 जून से 5 जुलाई तक इंग्लैंड में खेला जाएगा। 24 दिनों तक चलने वाले टूर्नामेंट के दसवें संस्करण की शुरुआत 12 जून को एजबस्टन में मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच मुकाबले से होगी। एजबस्टन के अलावा हैम्पशायर बाउल, हेडिंग्ले, ओल्ड ट्रैफर्ड, द ओवल, ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड और लॉर्ड्स अन्य टूर्नामेंट स्थल हैं।

एजबस्टन में ही भारत 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान का पहला मैच खेलेगा, उसके बाद 17 जून को हेडिंग्ले में क्वालीफाइंग टीम के खिलाफ खेलेगा। भारत 21 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड पर दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा और फिर 25 जून को उसी स्थान पर एक अन्य क्वालीफाइंग टीम के खिलाफ खेलेगा। भारत का ग्रुप चरण 28 जून को लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर कई बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक बड़े मुकाबले के साथ समाप्त होगा। इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने एक बयान में कहा, विश्व कप हमेशा खास होते हैं, लेकिन यह पहले से ही अलग लग रहा है - इसमें वास्तव में खेल को बदलने की क्षमता है। यह हमारे खेल के लिए एक बड़ा क्षण होने जा रहा है और युवाओं को प्रेरित करने और देश भर के प्रशंसकों को लुभाने का एक शानदार अवसर है। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ, सबसे बड़े पुरस्कार के लिए घरेलू धरती पर खेलना, इसे अनदेखा नहीं किया जा सकता।

मैं इसका हिस्सा बनने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। यह अब तक खेले गए सबसे बड़े आईसीसी महिला टी20 विश्व कप का भी प्रतीक होगा, जिसमें 12 टीमें प्रतिष्ठित ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, जो वर्तमान में न्यूजीलैंड के पास है। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के अलावा, ग्रुप 2 में श्रीलंका, वेस्टइंडीज और अन्य दो टीमें शामिल हैं, जो अगले साल होने वाले वैश्विक क्वालीफायर से आएंगी।

प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी, जो 30 जून और 2 जुलाई को ओवल में होगा, जबकि 5 जुलाई को लॉर्ड्स में ग्रैंड टाइटल मुकाबला होगा। आईसीसी ने कहा कि लॉर्ड्स में होने वाले फाइनल के लिए प्राथमिकता वाली टिकटें 24 घंटे में बिक गई, जबकि सभी मैचों के टिकट अब पहले से पंजीकृत प्रशंसकों के लिए बिक्री पर हैं। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप हमें खेल उत्कृष्टता के एक महीने को एक ऐसे आंदोलन में बदलने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है जो महिला क्रिकेट के बारे में कहानी को फिर से लिखेगा।

टूर्नामेंट निदेशक बेथ बैरेट-वाइल्ड ने कहा, देश भर के प्रतिष्ठित स्थलों पर, हम अविश्वसनीय, विश्व स्तरीय एथलीटों को सैकड़ों हजारों प्रशंसकों के सामने प्रतिस्पर्धा करते हुए देखेंगे, जो हर गेंद और रन के साथ स्थायी बदलाव में योगदान देंगे। यह महिला क्रिकेट और महिला खेल को वह मंच देने का हमारा अवसर है, जिसका वह हकदार है।

क्लब विश्व कप: इंटर मिलान और मॉन्टेरी का मुकाबला 1-1 से ड्रॉ

नई दिल्ली, एजेंसी। एफसी इंटरनैजियोनेल मिलानो और सीएफ मॉन्टेरी ने बुधवार (आईएसटी) को रोज बाउल में 1-1 से बराबरी के साथ फीफा क्लब विश्व कप 2025 अभियान की शुरुआत की। दोनों टीमें रिवर प्लेट से दो अंक पीछे हैं, जो सिएटल में उरावा रेड डायमंड्स के खिलाफ 3-1 से विजयी रही थी।

इंटर ने पहले हाफ में लगातार दबाव बनाए रखा, लेकिन मॉन्टेरी को कप्तान सर्जियो रामोस ने 25वें मिनट में कॉर्नर किक से गोल करके टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। 39 वर्षीय पूर्व रियल मैड्रिड स्टार ने इंटर सेंटर-बैक एलेसेंड्रो बस्तोनी को पछाड़कर गोलकीपर यान सोमर को छकाते हुए हेडर से गोल किया। इसके बाद 42वें मिनट पर लौटारो मार्टिनेज ने गोल के साथ इंटर को मुकाबले में 1-1 से बराबरी पर ला दिया। 64वें मिनट में मॉन्टेरी ने उस समय बढ़त लगभग हासिल कर ही ली थी, जब सर्जियो कैनालेस का लॉन्ग-रेंज प्रयास सोमर के गोल के बाएं पोस्ट से टकरा गया। इसके बाद यह मुकाबला कुल दो गोलों के साथ ड्रॉ पर समाप्त हुआ। अब दोनों टीमें शनिवार 21 जून को टूर्नामेंट का अपना दूसरा मैच खेलेंगी। रोज बाउल में मॉन्टेरी का सामना रिवर प्लेट से होगा, जबकि लुमेन फील्ड में इंटर का सामना उरावा रेड्स से होगा।

ग्रुप-ई की प्वाइंट्स टेबल को देखें, तो रिवल प्लेट तीन अंकों के साथ शीर्ष पर हैं, जबकि मॉन्टेरी दूसरे और इंटर तीसरे पायदान पर मौजूद है। उरावा रेड्स फिलहाल चौथे स्थान पर है, जिसने अपना पहला मैच गंवाया है। क्लब विश्व कप में कुल 32 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें चार-चार टीमों के ग्रुप में बांटा गया है।

इस टूर्नामेंट में कुल 63 मैच खेलने जाने हैं। आठ समूहों से शीर्ष दो-दो टीमें नॉकआउट चरण में प्रवेश करेंगी। यह मुकाबले अमेरिका के 12 वेन्यू पर खेले जा रहे हैं। इस टूर्नामेंट से होने वाली कमाई को क्लब फुटबॉल के विकास में लगाया जाना है।

बांग्लादेश वर्सेस श्रीलंका:

मुशफिकुर रहीम की ऐतिहासिक पारी, टेस्ट में 7वीं बार जड़े 150+ रन, गेल, वॉर्नर, पुजारा, अजहर और रिचर्ड्स के क्लब में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेशी विकेटकीपर-बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम 18 जून 2025 को विवियन रिचर्ड्स, मोहम्मद अजहरुद्दीन, चेतेश्वर पुजारा, क्रिस गेल, डेविड वॉर्नर और जस्टिन लैंगर जैसे दिग्गजों के क्लब में शामिल हुए। श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट मैच के दूसरे दिन बारिश के चलते खेल रोके जाने तक मुशफिकुर रहीम 159 रन बना चुके थे, जबकि बांग्लादेश का स्कोर 423/4 (130.2) था।

इस दौरान मुशफिकुर रहीम ने 325 गेंद का सामना करते हुए 9 चौके भी जड़े। मुशफिकुर रहीम की शानदार पारी के दम पर बांग्लादेश विशाल स्कोर की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। टेस्ट करियर में ऐसा 7वीं बार है, जब मुशफिकुर रहीम ने 150 रन

का आंकड़ा पार किया हो। इससे पहले मुशफिकुर रहीम श्रीलंका के खिलाफ 200 रन (मार्च 2013), न्यूजीलैंड के खिलाफ 159 रन (जनवरी 2017), जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद 219 (नवंबर 2018), जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद 203 (फरवरी 2020), श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 175 (मई 2022) और पाकिस्तान के खिलाफ 191 रन (अगस्त 2024) की पारी खेल चुके हैं।

जसप्रीत बुमराह ने पुष्टि की

BCCI मुझे टेस्ट कप्तान बनाना चाहता था, मैंने इनकार कर दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास के बाद भारत की टेस्ट कप्तानी जसप्रीत बुमराह को मिलने की खबरें थी। लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट दौरे के लिए शुभमन गिल को कप्तान बनाया गया है।

क्या इस बारे में बुमराह से पूछा गया, इस बारे में अटकलें लगाई जा रही थी और अब इस पर खुद बुमराह ने चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि बीसीसीआई उन्हें टेस्ट कप्तान बनाना चाहता था, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक के साथ बातचीत में जसप्रीत बुमराह ने बताया कि वह टेस्ट कप्तान क्यों नहीं बने। पीठ की बार-बार चोट लगने के कारण बुमराह पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल सकते हैं। वह इंग्लैंड में केवल तीन मैच ही खेल पाए थे। इसलिए उन्होंने इस

दौड़ से बाहर होने का फैसला किया ताकि टीम इंडिया को नुकसान न हो। जसप्रीत बुमराह ने एक इंटरव्यू में दिनेश कार्तिक को बताया, इसमें कोई आकर्षक कहानी नहीं है, कोई विवाद नहीं है या कोई हेडलाइनिंग बयान नहीं है, या मुझे बर्खास्त कर दिया गया या मेरी देखभाल नहीं की गई।

आईपीएल के दौरान रोहित और विराट के रिटायर होने से पहले मैंने बीसीसीआई से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में अपने कार्यभार के बारे में बात की थी। मैंने बीसीसीआई को फोन किया और उनसे कहा कि मैं नेतृत्व की भूमिका में नहीं देखा जाना चाहता।

बुमराह ने कहा, मैंने उन लोगों से बात की थी जिन्होंने मेरी पीठ (चोट) का इलाज किया था, जिसमें सर्जन भी शामिल थी। उन्होंने हमेशा मुझे बताया था कि मुझे कार्यभार के बारे में कितना होशियार रहना है। इसलिए, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि मुझे थोड़ा होशियार होना होगा। मैं सभी टेस्ट मैच नहीं खेल पाऊंगा। फिर बीसीसीआई मुझे नेतृत्व की भूमिका के लिए देख रहा था। लेकिन मैंने कहा कि यह टीम के लिए उचित नहीं है। आप पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए एक कप्तान और तीन या दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अलग कप्तान नहीं रख सकते।

इंडिया-इंग्लैंड टेस्ट:

तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी में इन 3 खिलाड़ियों का प्लेइंग 11 से बाहर होना तय

नई दिल्ली, एजेंसी। 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू हो रही भारत की पांच मैचों की टेस्ट सीरीज इंग्लैंड दौरे के साथ भारतीय टेस्ट क्रिकेट के एक नए युग की शुरुआत होगी. रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के टेस्ट से संन्यास के बाद यह पहला मौका होगा जब भारतीय टीम बिना इन तीनों खिलाड़ियों के इंग्लैंड का दौरा कर रही है. शुभमन गिल के नेतृत्व में और गौतम गंभीर की कोचिंग में यह युवा टीम नए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र की मजबूत शुरुआत करना चाहेगी. 18 सदस्यीय टीम में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल हैं, लेकिन कुछ खिलाड़ियों को इंग्लैंड की परिस्थितियों और टीम संयोजन को देखते हुए प्लेइंग इलेवन से बाहर रहना पड़ सकता है. ऐसे में आइए उन 3 खिलाड़ियों के बारे में बताते हैं जिनका इंग्लैंड में खेलना मुश्किल दिख रहा है.

अभिमन्यु ईश्वरन- करना पड़ सकता है इंतजार

घरेलू क्रिकेट और इंडिया ए के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले अभिमन्यु ईश्वरन एक बार फिर टेस्ट टीम में जगह मिलने के बावजूद प्लेइंग इलेवन से बाहर रह सकते हैं.हाल ही में उन्होंने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 80 रन की पारी खेली थी, जो उनका इंडिया ए के लिए सातवां अर्धशतक था.टीम के टॉप ऑर्डर में यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल पहले दो ओपनिंग स्लॉट में लगभग तय माने जा रहे हैं. नंबर 3 के लिए करुण नायर और साई सुदर्शन के बीच प्रतिस्पर्धा है, जबकि कप्तान शुभमन गिल नंबर 4 पर खेलेंगे. इस स्थिति में ईश्वरन के लिए कोई स्लॉट उपलब्ध नहीं दिख रहा.

कुलदीप यादव- इंग्लैंड की पिच और रिकॉर्ड पड़ सकते हैं भारी

लेफ्ट-आर्म चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव, जिनके नाम 13 टेस्ट में 56 विकेट हैं, इंग्लैंड के सीमिंग कंडीशंस में प्लेइंग इलेवन से बाहर रह सकते हैं. टीम में पहले स्पिनर के तौर पर रविंद्र जडेजा की जगह लगभग तय मानी जा रही है. अगर जडेजा को आराम दिया जाता है, तो भारत वॉशिंगटन सुंदर को वरीयता दे सकता है, जो एक बेहतर ऑलराउंड विकल्प हैं.

ध्रुव जुरेल- बैकअप भूमिका में रहेंगे सीमित

इंग्लैंड लायंस के खिलाफ शानदार प्रदर्शन (94 और नाबाद 53) करने वाले युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को इस दौरे में बैकअप कीपर के तौर पर शामिल किया गया है. ऋषभ पंत, जो चोट से वापसी कर रहे हैं, टीम के उपकप्तान भी हैं और नंबर 5 पर खेलने उतरेंगे. पंत की अनुपस्थिति में भी भारत केएल राहुल को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी सौंप सकता है. इसके अलावा, टीम में निचले क्रम को मजबूत करने के लिए शार्दुल ठाकुर या नीतीश रेड्डी जैसे ऑलराउंडरों को वरीयता मिलने की संभावना है, जिससे जुरेल के लिए बतौर स्पेशलिस्ट बल्लेबाज़ भी मौका सीमित हो सकता है.

इंग्लैंड दौरे के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम:

शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (उप-कप्तान/विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), अभिमन्यु ईश्वरन, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, करुण नायर, वॉशिंगटन सुंदर, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव.

डबल्यूआर चैस ने जीता फीडे विश्व टीम ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीता

लंदन, एजेंसी। फीडे विश्व टीम ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप 2025 के फाइनल मुकाबले में डब्ल्यूआर चेस टीम ने कज़चेस को दोनों मैचों में 4-2 से हराकर विश्व टीम ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप का खिताब दूसरी बार अपने नाम किया। इससे पहले उन्होंने 2024 में कजाकिस्तान में यह खिताब जीता था। तीन दिवसीय प्रतियोगिता के नॉकआउट चरण में 53 टीमों में से शीर्ष 16 टीमों ने जगह बनाई थी, जिसमें प्री-क्वार्टर फाइनल, क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले गए। हर मुकाबले में टीमों के बीच कम से कम दो मैच हुए, और बराबरी की स्थिति में प्लेऑफ मुकाबले भी कराए गए।

फाइनल मुकाबले में चमके डबल्यूआर के सितारे

डबल्यूआर चेस ने दोनों फाइनल मैचों में 4-2 से जीत दर्ज की। अलीरेज़ा फिरोजा, हिकारु नाकामुरा और मैक्सिम वाचिए-लाग्रेव ने निर्णायक जीत दर्ज कर टीम को खिताबी जीत दिलाई। टीम को बिग बेन और शतरंज मोहरे के मिश्रण से प्रेरित ट्रॉफी के साथ पुरस्कार राशि भी मिली।

तीसरा स्थान हेक्सामाइंड को

भारतीय सितारों विदित गुजराती और दिव्या देशमुख से सजी हेक्सामाइंड चेस क्लब ने उज्बेकिस्तान की टीम को दोनों मैचों में 3.5-2.5 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं रैपिड विजेता भारत की एमजीडी 1 ने फ्रीडम टीम को हराकर पांचवां स्थान हासिल किया।

5वां केयर्न्स कप शतरंज:

हंपी नें हरिका को हराया , बनाई एकल बढ़त

सेंट लुइस,यूएसए, एजेंसी। में चल रही दुनिया की सबसे मज़बूत महिला प्रतियोगिताओं में से एक केयर्न्स कप केछठे राउंड में भारत की दोनों महिला खिलाड़ी विश्व रैपिड चैम्पियन कोनेरु हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली के बीच मुक़ाबला हुआ , क्यूंकी दोनों सयुंक्त बढ़त पर चल रही थी यह मुक़ाबला बेहद महत्वपूर्ण था और ऐसे में देश की नंबर एक खिलाड़ी और कोनेरु हम्पी का पडला देश की नंबर 2 खिलाड़ी हरिका पर भारी रहा और लगातार प्रतियोगिता में अपनी तीसरी जीत दर्ज करते हुए कोनेरु हम्पी नें 6 राउंड के बाद 4.5 अंक बनाकर एकल बढ़त कायम कर ली है । इस जीत के साथ ही हम्पी विश्व रैंकिंग में 2554 अंको पर पहुँच गयी है एक और जीत उन्हे विश्व नंबर 3 पर फिर से पहुंचा देगी फिलहाल वह चीन की लेई टिंगजे से ठीक पीछे चौंथे स्थान पर है । दोनों के बीच केटालन ओपनिंग में हुए इस मुक़ाबले में हम्पी नें शानदार मध्य खेल और एंडगेम का प्रदर्शन किया और 76 चालों तक चले मुक़ाबले में पहले हाथी और फिर अपने वजीर के शानदार खेल से जीत दर्ज की । खैर यह दिन सिर्फ इसी मुक़ाबले के लिए परिणाम लाने वाला नहीं रहा , इस राउंड में खेले गए हर मुक़ाबले में परिणाम जीत और हार के तौर पर ही आया जिसनें टूर्नामेंट में एक नई जान फूँक दी है ।

ग्लेन मैक्सवेल ने 48 गेंदों पर ठोका शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लेन मैक्सवेल का फॉर्म लंबे समय से सवालों में था. लेकिन अब नहीं. क्योंकि, मेजर लीग क्रिकेट 2025 में उन्होंने इसका जवाब अपने बल्ले से एक के बाद एक 13 छक्के बरसाकर दे दिया है. MLC 2025 में ग्लेन मैक्सवेल ने हाहाकारी शतक ठोका है, जिसकी स्क्रिप्ट उन्होंने केवल 48 गेंदों में लिखी है. ऑस्ट्रेलियाई मैक्सवेल ने ये शतक छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए जमाया. एमएलसी 2025 में लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबले में वॉशिंगटन फ्रीडम के कप्तान ग्लेन मैक्सवेल ने वाकई कप्तानी पारी खेली. उन्होंने ये शतक उस मुश्किल वक्त में जड़ा जब आधी टीम सिर्फ स्कोर बोर्ड पर 100 रन लगने से पहले ही डग आउट लौट गई थी. लेकिन, एक बार जब मैक्सवेल का खेल शुरू हुआ तो फिर वॉशिंगटन फ्रीडम के उसी स्कोरबोर्ड को 200 के पार जाने से लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स की टीम चाहकर भी नहीं रोक सकी.

● पहली 15 गेंदों में 11 रन, फिर 34 गेंदों में ठोके 95 रन

ग्लेन मैक्सवेल ने फॉर्म में वापसी करते हुए तूफानी शतक ठोका कैसे, अब जरा वो जान लीजिए. अपनी इनिंग के दौरान एक वक्त मैक्सवेल 15 गेंदों पर सिर्फ 11 रन बनाकर ही खेल रहे थे. लेकिन उसके बाद अगली 34 गेंदों पर उन्होंने बाकी के 95 रन कैसे जड़ दिए पता ही नहीं चला.